लखनऊ, गुरूवार, 27 अप्रैल 2023 | Email: starexpressnews@gmail.com | वर्ष : 16 अंक : 63 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रूपया

हिन्दी दैनिक/डिजिटल

स्टार एक्सप्रेस

सोच..... बदलते भारत की

www.starexpress.news

संक्षिप्त समाचार

प्रियंका गांधी ने कर्नाटक के रेस्टोरेंट में बनाया डोसा

(एजेंसी) मैसूर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को मैसूर के मशहूर रेस्तरां में डोसा बनाने में हाथ आजमाया। उन्होंने होटल में स्वादिष्ट डोसा भी खाया और बच्चों के साथ बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। कांग्रेस ने ट्वीट किया, आज सुबह, प्रियंका गांधी वाड्रा को मैसूर के सबसे प्रसिद्ध प्रतीकों में से एक का दौरा करने का अवसर मिलारू मयलारी रेस्तरां, जो अपने यूनिक डोसा के लिए प्रसिद्ध है। कांग्रेस ने कहा, प्रियंका गांधी वाड्रा ने खुद डोसा बनाने में भी हाथ आजमाया। उन्हें रेस्तरां का डोसा काफी पसंद आया। अपनी यात्रा के दौरान, प्रियंका गांधी वाड्रा ने कुछ बच्चों के साथ बातचीत करने के लिए भी समय निकाला। प्रियंका ने मीडिया को बताया कि होटल की इडली और मसाला डोसा बहुत अच्छे हैं। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला उनके साथ थे। कांग्रेस के लिए प्रचार करने के लिए प्रियंका कर्नाटक में है।

यूथ कांग्रेस प्रमुख श्रीनिवास ने अंगकिता दत्ता की शिकायत को रद्द करने को हाईकोर्ट का खटखटाया दरवाजा

गुवाहाटी भारतीय युवा कांग्रेस के प्रमुख श्रीनिवास बी.वी. ने असम कांग्रेस की पूर्व नेता अंगकिता दत्ता द्वारा की गई शिकायत को खारिज करने के लिए बुधवार को गुवाहाटी उच्च न्यायालय में अपील दायर की। दत्ता द्वारा दर्ज कराई गई उत्पीड़न की शिकायत के संबंध में असम पुलिस ने श्रीनिवास को 2 मई को दिसपुर पुलिस स्टेशन में पेश होने के लिए बुलाया है। असम पुलिस का आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) बेंगलुरु में श्रीनिवास के आवास पर गया और गुवाहाटी में पुलिस के सामने व्यक्तिगत रूप से पेश होने का नोटिस दिया। नोटिस में श्रीनिवास को मामले में सबूतों से छेड़छाड़ नहीं करने और मामले के तथ्यों से परिचित किसी व्यक्ति को कोई धमकी, प्रलोभन या वादा नहीं करने के लिए कहा गया। श्रीनिवास को जांच में शामिल होने और सहयोग करने के लिए कहा गया। उन्हें सभी तथ्यों को सच्चाई से प्रकट करने के लिए भी कहा गया है। इस बीच, कांग्रेस नेताओं ने श्रीनिवास के खिलाफदर्ज शिकायत के समय पर सवाल उठाया है। आरोप लगाया कि अंगकिता दत्ता असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के उकसावे पर काम कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ नक्सली हमला, अमित शाह ने सीएम बघेल से की बात, हरसंभव मदद का दिया आश्वासन

(एजेंसी) नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से बात की और दंतेवाड़ा में नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में 10 पुलिसकर्मियों के शहीद होने की घटना के बाद की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक शाह ने स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री को हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्री ने बघेल से बात की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकार को हरसंभव मदद देगी। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में 10 पुलिसकर्मी और एक चालक की मौत हो गई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना अरनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत उस समय हुई जब राज्य पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) का एक दल नक्सल विरोधी अभियान से लौट रहा था।

कर्नाटक में बोले सीएम योगी

धर्म के आधार पर आरक्षण भारत के संविधान के खिलाफ

❑ **मुख्यमंत्री योगी ने पंजाब के पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल के निधन पर जताया दुख, अखिलेश और मायावती भी दुखी**

(संवाददाता)

लखनऊ। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए केवल दो हफ्ते बाकी हैं। राज्य की सत्ता पाने के लिए सभी दल अपनी दावेदारी ठोंक रहे है और प्रचार भी जोरों पर चल रहा है। इस कड़ी में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को कर्नाटक दौरे पर हैं। वह विधानसभा चुनावों से पहले वह मांड्या में रोड शो करेंगे, बसवाना बगेवाड़ी में एक रैली करेंगे और साथ ही विजयपुर के इंडी में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। दोपहर करीब एक बजे उन्होंने मांड्या में रोड में जनता को संबोधित करते आरक्षण को लेकर कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना भारत के संविधान के विपरीत है, असंवैधानिक है। योगी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज कांग्रेस विकास की बात कर बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन उनकी विकास की हकीकत क्या थी, पंचवर्षीय योजना।

वहीं, बेलगावी में रैली करने पहुंचे केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी आरक्षण के मामले को उठाया, उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने धर्म के आधार पर आरक्षण देकर भारत के संविधान की अवमानन की। 1975 में मनमाने तरीके से संविधान में संशोधन कर आपातकाल लगाकर लाखों की संख्या में लोगों को जेल

में डाल दिया। भाजपा कभी ऐसा पाप नहीं कर सकती चाहे सत्ता मिले या न मिले। जानने योग्य है कि बीजेपी सरकार ने 2-बी श्रेणी के तहत मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को समाप्त करने का निर्णय किया है। इस चार प्रतिशत आरक्षण में से वोक्कालिगा को 2-सी श्रेणी का दो प्रतिशत आरक्षण और लिंगायत को 2-डी श्रेणी का दो प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। वोक्कालिगा और लिंगायत कर्नाटक के दो प्रभावशाली समुदाय हैं। हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट में मामला पहुंचने के बाद फिलहाल इस पर रोक लगा दी गई थी।

आप की शैली ओबेरॉय दिल्ली की महापौर चुनी गई

भाजपा की शिखा राय ने नामांकन वापस लिया

(एजेंसी)

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की शैली ओबेरॉय बुधवार को दिल्ली की महापौर निर्विरोध चुन ली गईं, क्योंकि चुनाव में उन्हें टक्कर दे रहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार शिखा राय ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसी के साथ, ओबेरॉय को दिल्ली के महापौर पद का एक और कार्यकाल मिल गया। अपना नामांकन वापस लेने वाली भाजपा उम्मीदवार राय ने सदन को बताया कि उन्होंने स्थायी समिति का चुनाव नहीं होने के कारण यह कदम उठाया। मौजूदा उप-महापौर आले मोहम्मद इकबाल भी एक बार फिर इस पद के लिए चुन लिए गए,

क्योंकि भाजपा उम्मीदवार सोनी पाल ने अपना नामांकन वापस ले लिया। दिल्ली में महापौर पद के चुनावों में ओबेरॉय और राय के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना थी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की कमान फिलहाल 'आपश् के हाथों में है। ओबेरॉय को इससे पहले 22 फरवरी को चौथी कोशिश में महापौर चुना गया था, क्योंकि मनोनीत सदस्यों को मतदान का अधिकार देने के मुद्दे पर जारी गतिरोध के चलते चुनाव कराने के पिछले तीन प्रयास नाकाम हो गए थे। ओबेरॉय ने भाजपा की रेखा गुप्ता को 34 वोटों के अंतर से हराते हुए महापौर पद हासिल किया था। महापौर चुनाव में पड़े कुल 266 वोटों में से 150 वोट ओबेरॉय के खाते में गए थे, जबकि गुप्ता को 116 मत हासिल हुए थे। राष्ट्रीय राजधानी में महापौर पद का पांच साल का कार्यकाल एक-एक वर्ष के पांच कार्यकाल का होता है, जिसमें से पहला वर्ष महिलाओं के लिए, दूसरा वर्ष अनारक्षित श्रेणी के लिए, तीसरा वर्ष आरक्षित श्रेणी के लिए और बाकी के दोनों वर्ष अनारक्षित श्रेणी के लिए आरक्षित होते हैं। शहर को हर वित्त वर्ष की समाप्ति के बाद एक नया महापौर मिलता है।

छत्तीसगढ़ में नक्सली हमला, 10 जवान शहीद

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, 11 जवान शहीद

(एजेंसी)

रायपुर। छत्तीसगढ़ के घुर नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में गश्त से लौट रहे जवानों के वाहनों को विस्फोट से उड़ाने से सुरक्षा बलों के 11 जवान शहीद हो गए, जबकि कुछ जवान घायल भी हुए है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिले के अरनपुर क्षेत्र में गश्त से लौट रहे सुरक्षा बलों के जवान आज दोपहर लौट रहे थे कि उनके वाहन को नक्सलियों ने आई ब्लास्ट कर उड़ा दिया जिससे वाहन के चालक समेत 11 जवान मौके पर ही शहीद हो गए। कुछ जवानों के घायल होने की भी सूचना है। घटना की सूचना

मिलने के बाद सुरक्षा बलों को एम्बुलेंस के साथ घटनास्थल की ओर रवाना कर दिया गया है। घटनास्थल जिला मुख्यालय से लगभग 50 किमी दूर घटना जंगली क्षेत्र बताया गया है। राज्य में लम्बे समय बाद नक्सलियों के हमले में इतनी बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवान शहीद हुए है। गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से फोन पर बात कर जानकारी मांगी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से बात की और दंतेवाड़ा में नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में 10 पुलिसकर्मियों के शहीद होने की घटना के बाद की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक शाह ने स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री को हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्री ने बघेल से बात की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकार को हरसंभव मदद देगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर घटना पर दुख जताते हुए कहा है कि दंतेवाड़ा के थाना अरनपुर क्षेत्र अंतर्गत माओवादी कैडर की उपस्थिति की सूचना पर नक्सल विरोधी अभियान के लिए पहुंचे डीआरजी बल पर आईईडी विस्फोट से हमारे 10 डीआरजी जवान एवं एक चालक के शहीद होने का समाचार बेहद दुखद है। हम सब प्रदेशवासी उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनके परिवारों के साथ दुःख में हम सब साझेदार हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घटना पर दुख व्यक्त किया है। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले में हमारे जवान शहीद हो गए। नक्सलियों की यह कायराना हरकत बेहद परेशान करने वाली सूचना है। नक्सलवाद को कुचलने के लिए सभी सरकारों को तत्काल सख्त कदम उठाने की जरूरत है। शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे!! उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए माँ भारती के वीर सपूतों को विनम्र श्रद्धांजलि! मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। इस दुःखद घड़ी में हम सभी परिजनों के साथ खड़े हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान व परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल का निधन

प्रकाश सिंह बादल के अंतिम दर्शन के लिए चंडीगढ़ पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

बादल का अंतिम संस्कार गुरुवार को, पंजाब में अवकाश घोषित

(एजेंसी)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए बुधवार को चंडीगढ़ पहुंचे। उन्होंने बादल को श्रद्धांजलि अर्पित की। बादल का मंगलवार को मोहाली के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेता को सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत के बाद एक हफ्ते पहले मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने मंगलवार रात करीब आठ बजे अंतिम सांस ली। वह 95 साल के थे। सूत्रों ने बताया कि प्रकाश सिंह बादल को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी दोपहर 12 बजे चंडीगढ़ पहुंचेंगे। मोदी ने मंगलवार को बादल के निधन को 'व्यक्तिगत क्षति बताते हुए कहा था

कि वह (बादल) भारतीय राजनीति की एक महान शख्सियत थे, जिन्होंने देश के विकास में अहम योगदान दिया। मोदी ने ट्वीट किया, 'प्रकाश सिंह बादल के निधन से अत्यंत दुखी हूं। वह भारतीय राजनीति के एक विशाल व्यक्तित्व और एक उल्लेखनीय राजनेता थे। उन्होंने हमारे राष्ट्र के विकास में अहम योगदान दिया। उन्होंने पंजाब की प्रगति के लिए अथक प्रयास किए और महत्वपूर्ण समय के दौरान राज्य को नेतृत्व प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मुझे उनके साथ हुई कई बातचीत याद है, जिसमें उनका विवेक हमेशा स्पष्ट रूप से झलकता था। उनके परिवार और अनगिनत समर्थकों के प्रति संवेदना। पंजाब सरकार ने शिरोमणि अकाली दल के संरक्षक और पांच बार पंजाब के मुख्यमंत्री रह चुके प्रकाश सिंह बादल के सम्मान में गुरुवार को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। बादलका 25 अप्रैल को निधन हो गया था। बादल ने 95 साल की उम्र में मोहाली के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ समय से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि चूंकि बादल का अंतिम संस्कार गुरुवार को किया जाना है, इसलिए राज्य सरकार ने इस दिन सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। अंतिम संस्कार मुक्तसर जिले में उनके पैतृक गांव बादल में होगा।

'कांग्रेस ने सत्ता में आने के लिए किया मजहब का इस्तेमाल', बेलगावी में रक्षा मंत्री ने साधा निशाना

(एजेंसी)

बेंगलुरु। बेलगावी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि उसने सत्ता में आने के लिए 'मजहब का इस्तेमाल किया। सिंह ने विपक्षी पार्टी को कर्नाटक की सत्ता में रहने के दौरान धार्मिक आधार पर चार प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करने के लिए भी आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि यह केवल मुस्लिमों के तुष्टिकरण के लिए किया गया था। बेलगावी जिले के कागवाड़ में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, '' भारत के इतिहास में अगर कोई पार्टी है जिसने सत्ता में आने के लिए 'धर्मश् या कहें कि 'मजहब का सहारा लिया है तो वह कांग्रेस है। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक विधानसभा के लिए 10 मई को मतदान होगा जबकि मतगणना 13 मई को कराई जाएगी। रक्षामंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस'' हिंदू, मुस्लिम और ईसाई की राजनीति करती है। इस तरह की राजनीति कभी नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुस्लिमों के तुष्टिकरण के लिए राज्य में धर्म के आधार पर चार प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई। सिंह ने कहा, ''अगर आर्थिक रूप से कमजोर मुस्लिमों और ईसाईयों को आरक्षण दिया जाता है तो हम उसका स्वागत करेंगे लेकिन भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता। गौरतलब है कि राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने से महज कुछ दिन पहले ही राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग की 2बी श्रेणी के तहत मुस्लिमों के लिए की गई चार प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था समाप्त कर दी थी। बाद में सरकार ने इस चार प्रतिशत आरक्षण को दो हिस्सों में बांट कर राज्य के दो सबसे प्रभावशाली समुदायों को दे दिया था। सरकार ने वोक्कालिगा के आरक्षण में 2सी श्रेणी के तहत दो प्रतिशत की वृद्धि की है जबकि लिंगायत को 2डी श्रेणी के तहत दो प्रतिशत और आरक्षण देने का फैसला किया था। इसके बाद मुस्लिमों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) में रखा गया था। सरकार के इस फैसले के खिलाफ कई मुस्लिम संगठनों ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया। न्यायालय ने कर्नाटक सरकार को आरक्षण समाप्त करने के फैसले को नौ मई तक लागू नहीं करने का निर्देश दिया है। सिंह ने कहा, ''भाजपा के चरित्र के बारे में कुछ भी छिपाने को नहीं है और पूरी दुनिया इस बारे में जानती है। उन्होंने दावा किया'' भाजपा कभी जाति, नस्ल या धर्म के आधार पर भेदभाव में विश्वास नहीं करती। भाजपा 'इंसाफ और इंसानियत में विश्वास करती है। रक्षामंत्री ने कहा कि भाजपा 12वीं सदी के कर्नाटक के समाज सुधारक बसावेश्वर के सिद्धांतों का अनुपालन करती है।उन्होंने कहा, '' भाजपा बसावेश्वर के सिद्धांतों का अनुपालन करते हुए भारत में अपनी भूमिका निभा रही है।श्श् सिंह ने दावा किया कि भाजपा 224 सदस्यीय कर्नाटक विधानसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत से जीत दर्ज करेगी।

योगी सरकार के पास हर सवाल का जवाब तमंचा-अखिलेश

(संवाददाता)

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को पहुँचे गाजियाबाद और पार्टी प्रत्याशी के लिए लोगो से समर्थन मांगा। आज उन्होंने प्रदेश की योगी सरकार को घेरने को कोशिश की। उन्होंने कहा कि उनसे किसी भी मुद्दे पर बात की जाए सभी पर कहते हैं कि तमंचा है। अखिलेश यादव ने कहा कि बेरोजगारी से लेकर आटा और नदियों की सफाई बात या अन्य किसी मुद्दे पर सवाल किया जाए तो वह कहते हैं तमंचा है।यदि सड़क पर गोबर पड़ा है तो वो कहेंगे तमंचा है।अखिलेश यादव महापौर पद की सपा रालोद गठबंधन उम्मीदवार पूनम यादव के आवास पहुँचे। उसके बाद वह पूर्व एमएलसी जितेंद यादव के भाई रवि यादव की तेहरवीं में शामिल हुए।शाहजहांपुर में एन मौके पर मेयर प्रत्याशी बीजेपी में शामिल होने के सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा, यह बीजेपी का दिवालियापन है। गाजियाबाद में 11 मई को मेयर का चुनाव है।। समाजवादी पार्टी,राष्ट्रीय लोकदल और चंद्रशेखर रावण की पार्टी से पूनम यादव संयुक्त उम्मीदवार हैं।

ऑपरेशन कावेरी, सूडान से अब तक 530 भारतीयों को निकाला गया

(एजेंसी) नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना के दो परिवहन विमानों के जरिये सूडान से 250 भारतीयों को निकाला गया है। इससे पहले नौसेना के जहाज आईएनएस सुमेधा के माध्यम से इस हिंसाग्रस्त अफ्रीकी देश से 278 नागरिकों को निकाला गया था। अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सूडान से अब तक निकाले गए भारतीय नागरिकों की संख्या करीब 530 हो गई है। सूडान से भारतीय नागरिकों को निकालने के अभियान 'ऑपरेशन कावेरी के तहत भारत ने जेद्दा में पारगमन सुविधा स्थापित की है। सूडान से निकाले जाने के बाद भारतीय नागरिकों को सऊदी अरब के इस शहर में लाया जा रहा है। भारत ने मंगलवार को हिंसाग्रस्त सूडान से अपने 278 नागरिकों के पहले जत्थे को आईएनएस सुमेधा के जरिये निकाला और वहां फंसे शेष भारतीयों के लिए जरूरी राहत सामग्री पहुंचायी। इसके कुछ ही घंटे बाद भारतीय वायु सेना का परिवहन विमान सी130जे 'पोर्ट सूडान में उतरा ताकि और भारतीय नागरिकों को वहां से निकाला जा सके। इसके बाद अन्य सी130जे विमान से नागरिकों को निकाला गया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के अनुसार, पहले सी130जे विमान के माध्यम से 121 नागरिकों को और दूसरे विमान से 135 लोगों को बाहर निकाला गया। भारत ने सऊदी अरब के शहर जेद्दा में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है ताकि सूडान से भारतीय नागरिकों को निकालने में सुविधा हो सके। ज्ञात हो कि सूडान में करीब 3000 भारतीयों को निकालने के लिए अभियान शुरू किया गया है। बहरहाल, विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन निकासी अभियान पर नजर रखने के लिए जेद्दा पहुंच गए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया था कि सूडान से निकासी अभियान में भारतीय नौसेना का एक और जहाज आईएनएस तेग शामिल हो गया है। प्रवक्ता ने बताया, 'आईएनएस तेग सूडान के बंदरगाह पर पहुंच गया है। इसमें और अधिकारी तथा वहां फंसे भारतीयों के लिए राहत सामग्री है। इससे सूडान के बंदरगाह पर कैम्प कार्यालय में निकासी प्रयासों को

संपादकीय

सतर्क रहें छात्र

आस्ट्रेलिया के पांच विश्वविद्यालयों ने वीजा नियमों में हेरफेर करके पढ़ाई के बजाय वहां बसने के मकसद से प्रवेश करने वाले भारतीय छात्रों पर लगाम कसनी शुरू कर दी है। विडंबना यह है कि आस्ट्रेलिया के पांच विश्वविद्यालयों ने भारत के जिन प्रदेशों के छात्रों पर रोक लगाई है, उनमें मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा, गुजरात, यूपी व बिहार के आवेदक हैं। निश्चित रूप से यह कार्रवाई इन राज्यों की प्रतिष्ठा पर आंच आने जैसी है क्योंकि भविष्य में इन राज्यों के योग्य छात्र-छात्राओं को भी इस सुविधा से वंचित होना पड़ सकता है। इन राज्यों को संदिग्ध सूची में डालने के बाद यहां के छात्रों के अध्ययन वीजा के आवेदनों को अधिक सावधानी से जांचना शुरू कर दिया गया है। दरअसल, वहां किसी भी शिक्षण संस्थान में यदि अधिक गैर-वास्तविक छात्र पाये जाते हैं तो आस्ट्रेलिया सरकार द्वारा जोखिम रेटिंग में परिवर्तन कर दिया जाता है। निस्संदेह, छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षा पाने की संभावनाओं का पूरी तरह से अवलोकन करना चाहिए। वे सर्वोत्तम नौकरियों के लिये खुद को तैयार करने के तमाम उपायों पर विचार भी करें। यदि कोई विश्वविद्यालय इस दृष्टि से कसौटी पर खरा उतरता है तभी फीस का भुगतान करना चाहिए। वीजा हासिल करते वक्त भी ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे विश्वविद्यालय सभी नियमों का पालन करते भी हैं या नहीं। साथ ही पंजाब व हरियाणा सरकार को युवाओं को जागरूक करना होगा कि वे फर्जी एजेंटों के चंगुल में न फंसें। इन्हें विदेशों में अवैध प्रवासियों की दुर्दशा की हकीकत बताकर इस बारे में सजग करना चाहिए। साथ ही यह भी बताना चाहिए कि विश्वविद्यालयों या कॉलेजों के लिए आवेदन हेतु फॉर्म भरते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें। इसके लिये सिर्फ एजेंटों पर निर्भर रहना घातक साबित हो सकता है। बड़ी संख्या में ऐसे फर्जी एजेंट सक्रिय होते हैं, जिनका मकसद केवल छात्रों को उलटे उस्तरे से मूंड कर अपना मुनाफा कमाना ही होता है। जिनके चंगुल में फंसे छात्र कालांतर बड़ी मुश्किलों में फंस जाते हैं। दरअसल, विदेशों में पढ़ने की चाह रखने वाले छात्रों को अपने लक्षित विश्वविद्यालय और उस देश के नियम-कानूनों की पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। उन्हें इन संस्थानों की वेबसाइटों की भी जांच करनी चाहिए। उनकी शर्तों व नियमों को पूरी तरह पढ़ना चाहिए। विगत में देखा गया है कि उन्हें पर्याप्त नियम-कानूनों की जानकारी न होने के कारण उन देशों के सख्त कानूनों का भी शिकार होना पड़ सकता है। साथ ही इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि उन देशों में पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के बाद हासिल डिग्री व डिप्लोमा की अपने देश में कितनी स्वीकार्यता होती है। यह भी कि जब वे देश लौटें तो क्या उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। दरअसल, रोजगार का परिदृश्य उतना लुभावना नहीं होता है जितना कि छात्र कल्पना करते हैं। समस्या यह भी है कि विदेशों में पढ़ाई के लिये वीजा हासिल करना तथा उसकी अवधि समाप्त होने के बाद उन देशों में जमे रहना नियमों का उल्लंघन भी होता है। इतना ही नहीं, इन नियमों के उल्लंघन से , बेहतर भविष्य के लिये पढ़ाई की चाह रखने वाले वास्तविक छात्रों के लिये मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। निस्संदेह, नियम-कानूनों के उल्लंघन से विदेशों में भारत की छवि भी खराब हो सकती है। विडंबना यह है कि आज पंजाब-हरियाणा व अन्य राज्यों के तमाम युवा सुनहरे भविष्य की तीव्र उत्कंठा के चलते फर्जी दलालों की गिरफ्त में आ रहे हैं। बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिये मां-बाप भी अपने तमाम आर्थिक संसाधन दांव पर लगा देते हैं। बाद में उन्हें पता लगता है कि उनके साथ ठगी हो गई है। दरअसल, अध्ययन वीजा के जरिये विदेश में बसने की सनक ने आव्रजन एजेंटों की फौज खड़ी कर दी है। जो युवाओं को भ्रामक पाठ्यक्रमों तथा यहां तक कि नकली विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिलाकर धोखा तक दे रहे हैं। हाल में कुछ ऐसी ही दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं कनाडा और अमेरिका में सामने आई हैं जहां घोटाले के उजागर होने के बाद सैकड़ों छात्रों को निर्वासन का सामना करना पड़ा है।

अपनी बात अखिल सावंत
www.anandimail.in

तीर नहीं तो तुक्का !

क्राइम रिपोर्टर का ग्लैमर

अखबारी दुनिया से बाहर के लोगों के बीच क्राइम रिपोर्टर का गजब का आकर्षण होता है लोगों के बीच उसकी छवि जेम्स बॉण्ड सरीखी होती है । जो अपराधी के बीच जाकर खबरें लाता है , उनके अड्डों की पहचान करता है , होने वाली घटनाओं की सम्भावनाएं उजागर करता है यही नहीं कभी-कभी अपराधी सूचनाएं एकत्र करने में उसे अपनी जान तक भी जोखिम में डालना होता है, उसके इर्द-गिर्द हसीनाओं का जमघट होता है , वो खुले आम शराब पीता है लेकिन निहायती ईमानदार होता है जबकि वास्तविक दुनिया में इसका जस्ट उल्टा होता है अर्थात् वास्तविकता से अपरचित अधिकतर युवा जो पत्रकारिता को अपना पेशा बनाना चाहते हैं वो इसी ग्लैमर से प्रभावित होते हैं , युवा शक्ति का उपासक होता है , इसलिए क्राइम रिपोर्टर खबरें एकत्र करने के लिए वो कभी पुलिस , कचहरी एवं राजनीतिक क्षेत्रों में अच्छे संबंध रखता है यही नहीं प्रशासनिक हल्फों में भी उसके अच्छे सम्बन्ध होते हैं , कभी -कभी घटनाओं के सूत्र का पता लगाते-लगाते इनके आंगन तक पहुंच जाता है । अमुमन जब कोई युवा पत्रकारिता क्षेत्र में प्रवेश करता है तो उसे क्राइम बीट की खबरें लाने को कहा जाता है , ये भाग दौड़ का क्षेत्र होता है अपघटित अपराधी घटनाओं को हू ब हू लिखना होता है , जिसमें लेखक की भाषा में मर्मज्ञ विश्लेषण करने में माहिर होना बहुत जरूरी नहीं है ये अलग बात है कि कभी-कभी युवा पत्रकारों को बड़े-बड़े भ्रष्टाचार के सूत्र मिल जाते हैं जिसका बाद में अपने वरिष्ठ सहयोगियों की मदद से देश हित और समाजहित में उनका खुलासा करते हैं , वो क्राइम रिपोर्टर पेज-3 की खबरों का हीरो होता है यानि सबसे ज्यादा उसकी खबरे पढ़ी जाती हैं जो अधिकतर अपराधी घटनाओं की होती है लेकिन अखबारी जगत में उसे सबसे कम वेतन मिलता है , अखबार के दूसरे कर्मी उसके सम्बन्धो से सबसे ज्यादा फायदा उठाते हैं अपराध संवादाता का चोला पहनने वाले पत्रकारिता में प्रवेश ग्लैमर के कारण करते हैं उनमें पत्रकारिता का मूल मिशनरी भाव जोकि पत्रकारिता का मूल उद्देश्य है अर्थात् जनहित में खबरें लिखना के भाव का लोप होता है , अक्सर युवा पत्रकार ग्लैमर के चक्कर में फंस जाते हैं जैसे- अपराधियों के पक्ष और विपक्ष में खबरें लिखना , अपने संबंधों का दुरूपयोग करना , आदि इसलिए कई बार पुलिस की रडार पर आ जाते हैं यही नहीं कुछ पत्रकार अपराधियों का शिकार भी बन जाते हैं इसका मतलब ये नहीं कि सभी के साथ ऐसा होता है , बहुधा ऐसा पाया जाता है जैसे-जैसे पत्रकार वरिष्ठ होते जाते हैं वो अपराध संवादाता की बीट छोड़कर दूसरे किसी क्षेत्र को चुन लेते हैं , जहाँ गंभीर लेखन की जरूरत होती है , वैसे चचा अकबर इलाहाबादी कह गये हैं कि - अखबार नवीस वो होता है जो सबकी खबर लिखता है लेकिन अपने में खुद एक खबर होता है ?

जनता की अदालत से फैसला आना बाकी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मोदी सरनेम मामले में मानहानि के मुकदमे में सूरत की निचली अदालत ने दो साल की सजा 23 मार्च को सुनाई थी। मानहानि मामले में सबसे अधिक सजा मिलने का यह दुर्लभ उदाहरण देश ने देखा। देश तब भी हैरत में पड़ गया, जब अदालत से सजा मिलने के अगले ही दिन राहुल गांधी की संसद सदस्यता भी निलंबित कर दी गई और दोषी ठहराए जाने के कारण वे 6 सालों के चुनाव लड़ने से भी अयोग्य हो गए। खैर राहुल गांधी ने इस फैसले पर रोक लगाने को लेकर सेशंस कोर्ट में अर्जी लगाई थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आर पी मोगेरा की अदालत ने पिछले गुरुवार को राहुल गांधी की अर्जी पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। और 20 तारीख को जब फैसला सुनाया गया तो उसमें इस अर्जी को खारिज कर दिया गया। यानी राहुल गांधी को फिलहाल कोई राहत नहीं है। प्रसंगवश बता दें कि जज मोगेरा गुजरात के नामी-गिरामी वकील रह चुके हैं। 2006 के तुलसीराम प्रजापति फर्जी मुठभेड़ मामले में उन्होंने अमित शाह की पैरवी की थी। 2017 में गुजरात हाईकोर्ट की ओर से जारी एक नोटिफिकेशन के मुताबिक उनका चयन जिला जज के लिए किया गया था। वकीलों के लिए निर्धारित 25 प्रतिशत कोटा के तहत उनका चयन हुआ था।न्यायाधीश मोगेरा की अदालत से राहुल गांधी की अपील खारिज हो गई और अब कांग्रेस तमाम कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। संभवतरू अब राहुल गांधी उच्च न्यायालय का रुख करें और अगर वहां भी उन्हें राहत न मिले तो सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटाया जाएगा। यानी राहुल गांधी अपने लिए इंसाफ की लड़ाई जारी रखेंगे, यह तय है। वैसे भी राहुल गांधी की राजनीति कवि कुंवरनारायण की इन पंक्तियों की तरह ही है कि- कोई फर्क नहीं सब कुछ जीत लेने में और अंत तक हिम्मत न हारने में। राहुल गांधी आखिर तक हिम्मत न हारने वाले इंसान ही हैं और उनके पास अब खोने के लिए भी कुछ नहीं है। अलबत्ता पाने के लिए बहुत कुछ है। और अब कांग्रेस को उसी रणनीति के तहत काम करना होगा। उच्चतम अदालत तक जाने के विकल्प तो मौजूद हैं ही, लेकिन कांग्रेस को असली जीत तो जनता की अदालत में ही मिलेगी। वहां से उसे सत्ता का आदेश हासिल करना होगा अन्यथा ऐसी कानूनी लड़ाइयों की राजनैतिक उपयोगिता नहीं रह जाएगी। यह माना गया था कि अगर सूरत सेशंस कोर्ट के फैसले में दोषी ठहराये जाने और सजा सुनाये जाने पर रोक लग जाती तो राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता बहाल हो सकती थी। लेकिन कहीं न कहीं सब ये भी मान रहे थे कि ऐसा शायद ही हो। निचली अदालत में भी राहुल गांधी को सीधे 2 साल की सजा मानहानि के लिए सुनाई गई, जबकि अब तक मामूली दंड या जुर्माने के उदाहरण ही सामने आए हैं। जब दो साल की सजा सुनाई जा सकती है, तो उसे इतनी जल्दी खारिज कर दिया जाएगा, इसकी उम्मीद कम ही थी और ऐसा ही हुआ भी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक सवाल इस फैसले के संदर्भ में उठाया है। श्री थरूर ने ट्वीट में लिखा- सूरत कोर्ट का कहना है कि राहुल गांधी सजा पर रोक लगाने के लिए कोई असाधारण परिस्थिति नहीं दिखा पाए हैं। क्या यह आपराधिक मानहानि के लिए दो साल की सजा पाने के लिए पर्याप्त असाधारण नहीं है? संसद से अयोग्य होने के लिए बस इतना समय काफी है? उनके इस ट्वीट के राजनैतिक निहितार्थ समझे जा सकते हैं। वैसे राहुल गांधी की सजा रद्द करने की अपील खारिज होते ही जिस तरह की टिप्पणियां भाजपा नेताओं की ओर से आई हैं, वे इस फैसले के राजनैतिक संदर्भों को खोल कर रख देती हैं। कुछ भाजपा नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी ने ओबीसी का मजाक उड़ाया था। उन्हें अब माफी मांग लेना चाहिए। आश्चर्य है कि राहुल गांधी ने देश का धन चुरा कर बाहर भागे लोगों का जिक्र किया, लेकिन भाजपा को इसमें सिर्फ ओबीसी का अपमान दिखा, चोरों और भगोड़ों की ओर से भाजपा ने आंखें मूंद लीं। भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने कहा, ओबीसी समुदाय का अपमान करने के बावजूद, उन सभी को श्रोरश् कहने के बावजूद, राहुल शर्मनाक रूप से उद्दंड बने हुए हैं ... इससे उनके अहंकारी रवैये का पता चलता है। जबकि राहुल गांधी ने तो कोलार से जातिगत जनगणना और आरक्षण की सीमा को हटाने की मांग की है, वे पिछड़ों के हक की मांग मोदी सरकार से कर रहे हैं। क्या ओबीसी के हक की बात करना उद्दंडता मानी जाए। भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता संबित पात्रा ने तो अदालत के फैसले को गांधी परिवार पर तमाचा ही बता दिया और कहा कि गांधी परिवार को लगता है कि वे बचकर निकल जाएंगे, वो नहीं हो पाया। अदालत के फैसले से पता चलता है कि कानून सबके लिए बराबर है। इस टिप्पणी में जिस तरह श्री पात्रा ने राहुल गांधी की जगह समूचे गांधी परिवार को लिया है, उससे पता चलता है कि वे एक प्रकरण के बहाने सभी को निशाने पर लेना चाहते हैं। अदालत का फैसला राहुल गांधी के खिलाफआया और सेशंस कोर्ट में अपील भी राहुल गांधी ने ही की। इसमें पूरा गांधी परिवार शामिल नहीं है, फिर सब पर टिप्पणी करने का अर्थ तो यही है कि कर्नाटक चुनाव से पहले भाजपा गांधी परिवार को निशाने पर लेना चाहती है। राहुल गांधी और गांधी परिवार, सभी कानून का सम्मान करते हैं, इस बात का पता इसी से चलता है कि वे नियमानुसार अपील कर रहे हैं और जो फैसला आ रहा है, उसे स्वीकार करते हुए अन्य कानूनी विकल्पों पर काम कर रहे हैं। लेकिन भाजपा इससे भी परेशान दिखाई दे रही है। क्योंकि कहीं न कहीं भाजपा भी ये जानती है कि न्यायिक अदालत में तो केवल राहुल गांधी पहुंचे हैं, बाकी कांग्रेस और भाजपा का मुकाबला तो जनता की अदालत में है, जहां जनादेश को स्वीकार करना ही होगा। वहां किसका घमंड टूटता है और किसे उद्दंडता का दंड मिलता है, किसके अरमानों पर तमाचा पड़ता है और किसे सत्ता संभालने का आदेश मिलता है, इसके जवाब भी आने वाले वक्त में मिल ही जाएंगे।

पृथ्वी दिवस विशेष

पृथ्वी की रक्षा एक दिवास्वप्न नहीं बल्कि एक वास्तविकता होनी चाहिए

डॉ प्रियंका सौरभ

मनुष्य के रूप में, यह हमारा मूल कर्तव्य है कि हम उस ग्रह की देखभाल करें जिसे हम अपना घर कहते हैं। पृथ्वी हमें वे सभी बुनियादी चीजें उपलब्ध कराती है जो हमारे जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं। अखरोट, हम लालची इंसानों ने इसके संसाधनों का इस हद तक दोहन किया है कि कुछ लोगों के लिए सबसे जरूरी चीजें भी उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। इस ग्रह के जिम्मेदार निवासी होने के नाते, हमें अपने ग्रह को हुए नुकसान को दूर करने के लिए कुछ उपाय करने चाहिए। इसने बहुत शोषण देखा है। हम अपने उपयोग के लिए पेड़ों को अंधाधुंध काट रहे हैं। हर पेड़ के खो जाने से पृथ्वी अपना एक हिस्सा खो देती है। हमें अपने सीमित जीवनकाल में अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए, ताकि पुराने हरे-भरे जंगलों को फिर से जीवित किया जा सके। अगर हम सभी हर साल एक पौधा लगा सकें तो एक साल में पृथ्वी लगभग 7 अरब पेड़ों से भर जाएगी। हमारी पृथ्वी की देखभाल करना अब कोई विकल्प नहीं है-यह एक आवश्यकता है। पृथ्वी के अलावा कोई अन्य वैकल्पिक ग्रह नहीं है जहाँ जीवन संभव हो। अपने अस्तित्व की शुरुआत से ही हमने बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए असंख्य पेड़ों को काटकर और भोजन के लिए जानवरों को मार कर प्रकृति का शोषण किया है। हमने पृथ्वी के गर्भ से खनिज, क्रिस्टल और रत्न निकाले हैं। हमारे पास जो भी प्राकृतिक सम्पदा है, हमने ले ली और उसका उपयोग कर लिया और अब प्रकृति के धक्का-मुक्की के गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं। हमें यह महसूस करना चाहिए कि पृथ्वी के संसाधन असीमित नहीं हैं। वे तेजी से घट रहे हैं, और यह उस ग्रह पर हमारे अस्तित्व के लिए खतरा है जिसे हम घर कहते हैं। इस प्रकार, यह महत्वपूर्ण है कि हमें धरती माता की देखभाल करनी चाहिए और उसे बचाना चाहिए। पृथ्वी खतरनाक स्थिति में पहुंच गई है। यह हमारे लिए कार्रवाई करने का उच्च समय है। मानव गतिविधियों ने पृथ्वी के वातावरण और जलवायु परिस्थितियों को प्रभावित किया है। इसका ऐसा प्रभाव पड़ा है कि ऋतुएँ बदल गई हैं। अब मानसून में देरी हो रही है। गर्मियां बहुत तेज हो रही हैं और ग्लेशियर पिघल रहे हैं। समुद्र का स्तर बढ़ रहा है और जलीय जीवन विलुप्त होने के कगार पर है। प्रदूषण बढ़ रहा है और हवा की गुणवत्ता दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। पानी प्रदूषित हो रहा है और शोर का स्तर बढ़ रहा है जिससे अधिकांश लोग बीमार हो रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीनहाउस प्रभाव, ये सब मानवीय गतिविधियों के परिणाम हैं, जो अब मानव जीवन के लिए ही खतरा पैदा कर रहे हैं। इसलिए, अगर हम अभी कार्रवाई नहीं करने जा रहे हैं, तो बहुत देर हो चुकी होगी और तब तक पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। पृथ्वी को बचाने के लिए हम सभी को मिलकर बदलाव लाना होगा। एक व्यक्ति फर्क नहीं कर सकता, लेकिन हम सब मिलकर चमत्कार कर सकते हैं। हमें अपनी दिनचर्या में छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना है, जैसे जरूरत न होने पर लाइट बंद करना, नल बंद करना और पानी का सही इस्तेमाल करना और घर में प्लास्टिक और गैर-बायोडिग्रेडेबल सामग्री के इस्तेमाल से बचना। हमें सोलर हीटर और पैनल जैसे ऊर्जा के सौर और नवीकरणीय स्रोतों पर ध्यान देना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर ही निजी वाहन या कार निकालें और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना पसंद करें। हमें पृथ्वी पर खतरनाक स्थिति के बारे में अन्य लोगों को शिक्षित करने का प्रयास करना चाहिए और उनका मार्गदर्शन करना चाहिए कि वे पृथ्वी को बचाने में कैसे योगदान दे सकते हैं। इसके लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न अभियान या सामूहिक गतिविधियां की जा सकती हैं। साथ ही हमें अपने आस-पड़ोस में अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। हमें पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाना और बढ़ावा देना चाहिए। हमें अपने बच्चों को अपने ग्रह का मूल्य सिखाना चाहिए, ताकि वे भी स्थायी जीवन के अनुकूल हों और हमारे ग्रह का शोषण न करें। याद रखें, हर छोटे कदम से फर्क पड़ता है!लोग बस इस चलन का पालन करते हैं और जश्न मनाने के लिए इसका पालन करते हैं। ऐसे विभिन्न कारण हैं जो पर्यावरणीय गिरावट का कारण बनते हैं। जनसंख्या और गरीबी अधिक समस्याएं पैदा करने के शीर्ष पर हैं। अधिक लोगों का अर्थ है अत्यधिक खपत और यदि जरूरतें पूरी नहीं होती हैं तो इसका परिणाम गरीबी और कुपोषण होता है। एक अन्य कारक जो पर्यावरण पर बड़े पैमाने पर नकारात्मक प्रभाव पैदा करता है, वह सभी प्रकार का प्रदूषण है। कारखानों की चिमनियों या वाहनों से निकलने वाला धुआँ, सी.एफसी. का दैनिक उपयोग, जीवाश्म ईंधन का जलना, जंगल की आग आदि वायु प्रदूषण का कारण बनते हैं। इसके अलावा, जल निकायों में प्रदूषकों का निर्वहन, जानवरों को पानी में नहलाना, जल निकायों के पास शौच करना और सीवेज को छोड़ना जल प्रदूषण का कारण बन रहा है। फिर, अत्यधिक खेती, भूमि की जुताई, कीटनाशकों और रसायनों के प्रयोग से मृदा प्रदूषण होता है। अंत में, जुलूसों के दौरान तेज संगीत बजाना, कार के हॉर्न और कारखानों में मशीनों का शोर ध्वनि प्रदूषण पैदा करता है। समस्याओं के बारे में जागरूकता मौजूद है, लेकिन उन्हें खत्म करने के प्रयास नगण्य हैं। जीविका सुनिश्चित करने के लिए पृथ्वी की स्थिरता को बनाए रखने के लिए यह एक जरूरी आह्वान है। हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए स्थायी दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता है। सिर्फ इंसान ही नहीं बल्कि जानवर भी पीड़ित हैं और काफी नुकसान में हैं। पूरी खाद्य श्रृंखला बाधित हो जाती है, जिससे असंतुलन पैदा हो जाता है। पृथ्वी को बचाने के लिए सरकार को राष्ट्रीय पर्यावरण नीति बनानी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को स्वयंसेवा करनी चाहिए और पर्यावरणीय गिरावट को कम करने का प्रयास करना चाहिए। पृथ्वी की रक्षा एक दिवास्वप्न नहीं बल्कि एक वास्तविकता होनी चाहिए। मनुष्य के रूप में, यह हमारा मूल कर्तव्य है कि हम उस ग्रह की देखभाल करें जिसे हम अपना घर कहते हैं। पृथ्वी हमें वे सभी बुनियादी चीजें उपलब्ध कराती है जो हमारे जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं। अखरोट, हम लालची इंसानों ने इसके संसाधनों का इस हद तक दोहन किया है कि कुछ लोगों के लिए सबसे जरूरी चीजें भी उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। इस ग्रह के जिम्मेदार निवासी होने के नाते, हमें अपने ग्रह को हुए नुकसान को दूर करने के लिए कुछ उपाय करने चाहिए। इसने बहुत शोषण देखा है। हम अपने उपयोग के लिए पेड़ों को अंधाधुंध काट रहे हैं। हर पेड़ के खो जाने से पृथ्वी अपना एक हिस्सा खो देती है। हमें अपने सीमित जीवनकाल में अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए, ताकि पुराने हरे-भरे जंगलों को फिर से जीवित किया जा सके। अगर हम सभी हर साल एक पौधा लगा सकें तो एक साल में पृथ्वी लगभग 7 अरब पेड़ों से भर जाएगी।

कई नेताओं के दल बदल के बाद कर्नाटक में रोचक हो गया है सत्ता का संग्राम

रमेश सर्राफधमोरा

शेट्टार के भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होने से जहां भाजपा को नुकसान होना तय माना जा रहा है वही कांग्रेस को भी चुनाव में फायदा मिलेगा। इसीलिए कांग्रेस ने जगदीश शेट्टार व लक्ष्मण सावदी को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार दिया है। कर्नाटक में आगामी दस मई को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। अगले साल लोकसभा के चुनाव होने हैं। उससे पूर्व कर्नाटक विधानसभा के चुनाव परिणाम देश की राजनीति में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगें। भाजपा ने सत्ता विरोधी माहौल को समाप्त करने के लिए 52 मौजूदा विधायकों के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया है। भाजपा ने पार्टी के संस्थापकों में से एक रहे पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार व पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे लक्ष्मण सावदी का भी टिकट काट दिया है। भाजपा के बड़े नेता रहे के. अंगारा, आर शंकर और एमपी कुमार स्वामी ने भी टिकट नहीं मिलने पर इस्तीफा दे दिया है। जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी ने भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस के निशान पर चुनाव मैदान में उतर गये हैं। जगदीश शेट्टार 6 बार विधायक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री सहित कई बार मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। इतने लंबे राजनीतिक जीवन में उन पर कभी किसी तरह के आरोप नहीं लगे हैं। इसलिए उनकी छवि साफमानी जाती है। बीएस येदियुरप्पा के बाद वह लिंगायत समुदाय के दूसरे सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। शेट्टार के भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होने से जहां भाजपा को नुकसान होना तय माना जा रहा है वही कांग्रेस को भी चुनाव में फायदा मिलेगा। इसीलिए कांग्रेस ने जगदीश शेट्टार व लक्ष्मण सावदी को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार दिया है। भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा व ईश्वरप्पा के इस बार चुनावी मैदान में नहीं होने से पार्टी के पास बड़े चेहरे का भी अभाव है। कांग्रेस चाहती है कि किसी भी तरह से भाजपा को हरा कर प्रदेश में अपनी सरकार बनाई जाए ताकि पार्टी के गिरते जनाधार को रोका जा सके। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे कर्नाटक में कांग्रेस के बड़े नेता रहे हैं। उनकी सदा से ही मुख्यमंत्री बनने की चाहत रही है जो इस बार सरकार बनने पर पूरी हो सकती है। वैसे भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे के सामने अपने गृह प्रदेश में सरकार बनाना सबसे बड़ी चुनौती है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी चुनाव जीतने के लिए सभी तरह के प्रयास कर रही है। कर्नाटक में जनता दल सेक्युलर मैसूरू इलाके में अपना मजबूत जनाधार रखती है। प्रदेश की 100 सीटों पर जनता दल सेक्युलर चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की ताकत रखती है। जनता दल सेक्युलर ने किसी भी राजनीतिक दल से चुनावी समझौता नहीं किया है। उनका मानना है कि चुनाव में पिछले बार की तरह किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा। ऐसे में वह अपने जीते हुए विधायकों के बल पर सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक करोड़ 33 लाख 28 हजार 524 वोट यानी 36.35 प्रतिशत मतों के साथ 104 सीटें मिली थी। वहीं कांग्रेस को एक करोड़ 39 लाख 86 हजार 526 वोट यानी 38.14 प्रतिशत वोटों के साथ 80 सीटों पर जीत मिली थी। जनता दल सेक्युलर को 67 लाख 26 हजार 667 वोट यानी 18.30 प्रतिशत वोटों के साथ 37 सीटों पर जीत मिली थी। पिछले चुनाव में कांग्रेस 6 लाख 58 हजार दो वोट यानी 1.70 प्रतिशत अधिक मत लेकर भी भाजपा से 24 सीटों से पिछड़ गई थी। इसका मुख्य कारण था जनता दल सेकुलर का कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाना। पिछले चुनाव में कांग्रेस के पास कर्नाटक के सबसे प्रभावशाली लिंगायत समुदाय का कोई बड़ा नेता भी नहीं था। लेकिन इस बार जगदीश शेट्टार के आने से कांग्रेस को लिंगायत समुदाय के वोट बैंक में सेंध लगाने का एक बड़ा हथियार मिल गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के पास पर्याप्त बहुमत नहीं था। ऐसे में कांग्रेस और जनता दल सेक्युलर ने मिलकर जनता दल सेक्युलर के नेता एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व में सरकार का गठन कर लिया था।। मगर 14 महीने बाद ही भाजपा ने कांग्रेस व जनता दल सेक्युलर के विधायकों से इस्तीफे दिलवा कर जोड़-तोड़ से अपनी सरकार बना ली थी। उस समय बीएस येदियुरप्पा भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री बने थे। मगर येदियुरप्पा की मनमानी व उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार को लेकर लगे आरोपों के चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा और जुलाई 2021 में बसवराज बोम्मई को भाजपा ने नया मुख्यमंत्री बनाया था। हालांकि बोम्मई मुख्यमंत्री बन गए मगर सरकार पर पूरा प्रभाव पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा का ही रहा। 2019 में जोड़-तोड़ कर सरकार बनाने के बाद से ही कर्नाटक भाजपा में लगातार उथल पुथल होती रही है। चुनाव से पहले कई बड़े नेताओं के पार्टी छोड़ने से भाजपा मुश्किलों में घिरी नजर आ रही है। वहीं भाजपा सरकार पर 40 प्रतिशत तक की कमीशन खोरी के आरोप लगाकर कांग्रेस उन्हें लगातार कटघरे में खड़ा करती रही है। पिछले दिनों बेंगलुरु में लोकायुक्त पुलिस ने बीजेपी विधायक मदाल विरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत कुमार को एक ठेकेदार से 40 लाख रुपयों की घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। उसके बाद प्रशांत कुमार के घर से छः करोड़ रूपये भी बरामद किए गए थे। प्रशांत कुमार बेंगलुरु वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड में चीफ अकाउंटस ऑफीसर थे। उन्हें कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड के आफिस से रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था। उनके पिता व भाजपा विधायक मदाल विरुपक्षप्पा कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड के चेयरमैन थे। प्रशांत कुमार पर लोकायुक्त पुलिस ने आरोप लगाया था कि वह अपने पिता के स्थान पर रिश्वत की पहली किस्त प्राप्त कर रहे थे। पिछले साल तुमकुर जिले के एक ठेकेदार ने तब के मंत्री ईश्वरप्पा पर रिश्वत लेने का आरोप लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसके चलते ईश्वरप्पा को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि बाद में जांच कर ईश्वरप्पा को बरी कर दिया गया था। इसी के चलते इस बार ईश्वरप्पा को टिकट से वंचित रखा गया है। कर्नाटक में पौने चार साल के कार्यकाल में भाजपा सरकार लगातार आरोपों से घिरी रही है। जिस कारण आम जनता में भाजपा के प्रति सत्ता विरोधी माहौल व्याप्त हो रहा है। उसी के चलते काफी विधायकों के टिकट भी काटे गए हैं। हालांकि भाजपा गुजरात की तर्ज पर अधिकांश विधायकों के टिकट काटना चाहती थी। मगर बीएस येदियुरप्पा के विरोध के चलते ऐसा नहीं कर पाई।कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में इस बार जहां भाजपा सत्ता विरोधी लहर के चलते बचाव की मुद्रा में है। वहीं कांग्रेस सहित जनता दल सेक्युलर व अन्य विपक्षी दल पूरी तरह सरकार पर हमलावर हो रहे हैं। कांग्रेस में भी पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया व प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के मध्य गुटबाजी चल रही है। मगर ऊपरी तौर पर सभी कांग्रेसी नेता एकजुट होकर चुनावी मैदान में नजर आ रहे हैं। वर्तमान माहौल में यदि कांग्रेस के सभी नेता एकजुटता से चुनाव लड़ते हैं तो भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

घूस मांगने लेने वाले दरोगा और सिपाही के खिलाफ एफआईआर

प्रापर्टी डीलर की दोनों की थी पिटाई, आरोप सिद्ध होने पर हुए सस्पेंड

संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर थाने की बदालीखेड़ा पुलिस चौकी इंचार्ज और सिपाही के खिलाफ प्रापर्टी डीलर सुधीर ने घूस न देने पर मारपीट, धमकी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफ्आईआर दर्ज कराई थी। सुधीर ने पुलिस के इस काली करतूत की शिकायत सरोजनीनगर थाने में शनिवार को की थी। थाने पर सुनवाई न होने पर उन्होंने अपने साथ हुई मारपीट और घटना से जुड़े पूरे प्रकरण का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। वीडियो के काफी वायरल होने पर डीसीपी विनीत जायसवाल ने एसीपी कृष्णानगर को 24 घंटे में जांच कर रिपोर्ट देने को कहा। जिसमें शुरुआती जांच में दोनों पुलिस कर्मियों के दोषी

मिलने पर सस्पेंड कर दिया गया था। एसीपी कृष्णानगर विनय द्विवेदी की शुरुआती जांच में चौकी इंचार्ज दिनेश और सिपाही रवि दोषी मिले हैं। इन लोगों ने सुधीर को चौकी बुलाया था। जिसके बाद दोनों को निलंबित कर दिया गया। दूसरी तरफ दोनों आरोपी पुलिस कर्मियों ने रुपये लेने और लोहे की रॉड से पीटने से इनकार किया। जबकि जांच में सामने आया है कि पेटीएम से रुपये लिए गए हैं। जिस एकाउंट में पैसे गए हैं वह सिपाही रवि कुमार का है। नादरगंज अवध विहार कालोनी निवासी सुधीर मौर्य का आरोप है कि सिपाही रवि ने चौकी पर आने के लिए 10 से 12 बार फोन किया। साथ ही न आने पर हवाला कारोबार करने का आरोप लगाकर उसे चौकी में बुलाया। जहां दोनों ने पहले लात-घूसों और लोहे की रॉड से पीटा। उसके बाद जेल जाने से बचने के लिए दरोगा दिनेश और रवि ने छह लाख रुपये की मांग की। इतनी बड़ी रकम उपलब्ध न होने पर सिपाही रवि ने अपने खाते में पेटीएम से साढ़े छह हजार रुपये जमा कराने के बाद छोड़ने पर राजी हुआ। सुधीर के मुताबिक वह अवध विहार कालोनी में मोहम्मद फैयाज खान का मकान बनवा रहा था। उस समय रोड पर मौरंग और गिट्टी गिरी होने के कारण स्थानीय चौकी बदालीखेडा के सिपाही रवि कुमार आए दिन वहां आकर गाली गलौज और पैसो की मांग करता।मकान बनने में कोई दिक्कत न आए इसके चलेत सिपाही की मांग पर 25 फरवरी को चार हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से और 18 मार्च को काम बंद करवाने की धमकी पर 6500 यूपीआई के दिए। इस बीच कई बार चौकी के सिपाइयो को पैसा दिया जाता रहा। काम बंद होने के बाद भी सिपाही चौकी पर आने के लिए प्रेशर बनाते। 21 अप्रैल को रवि ने करीब 10 से 12 बार कॉल कर चौकी पर आने को कहा। जिस पर लखनऊ मे न होने की बात कह कर सबूत के तौर पर दो बार अपनी करेंट लोकेशन भेजी। उसके बाद सिपाही रवि ने फोन कर बताया कि उसके मालिक मो. फैयाज खान के खिलाफईडी और एलआईयू से नोटिस आया है। इसलिए समय से आकर सम्पर्क करो और सम्पत्ति के कागज चौकी प्रभारी दिनेश कुमार यादव को दो। जिसके चलते रात करीब 9 बजे बादशाह नगर मैट्रो स्टेशन से मेट्रो पकड कर अमौसी मेट्रो स्टेशन के पास उतरा और बगल में ही स्थित बलदी खेड़ा चौकी पहुंचा। जहां चौकी प्रभारी दिनेश कुमार यादव और सिपाही रवि कुमार मकान मालिक की सम्पत्ति का ब्यौरा पूछने लगे और सिपाही रवि कुमार ने कट्टा निकालकर प्रार्थी के हाथ मे रखकर फोटो खीच ली। उसके बाद हवाला कारोबार में फंसाने की धमकी देकर 6 लाख रुपया की मांग की। साथ ही दोनों ने बुरी तरह पीटा। इसके बाद देर रात 2 से 3 बार पुलिस वाहन में बिठा कर सरोजनीनगर थाने के गेट पर ले जाकर वापस चौकी लाते और पैसे की मांग करते। इस दौरान मालिक को भी फोन कर चौकी बुलाकर पैसे की मांग की गई।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के यूपी अध्यक्ष पर एफआईआर

अतीक-अशरफ हत्याकांड के लिए सरकार को ठहराया था जिम्मेदार

संवाददाता

लखनऊ। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हाफिज नूर अहमद रजा अजहरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया है। अजहरी पर आरोप है कि उन्होंने अतीक अहमद-अशरफ हत्याकांड को अंजाम दिलाने का आरोप मुख्यमंत्री पर लगाया है। दरोगा रवि वर्मा की तरफ से दर्ज कराई गई एफ्आईआर में हाफिज नूर अहमद अजहरी का जिक्र किया गया है। दरअसल, अतीक अहमद और उसके भाई अशरफकी हत्या के बाद सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी की जा

रही थी। इस बीच मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हाफिज नूर अहमद रजा अजहरी का एक वीडियो 21 अप्रैल को सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा था। इस वीडियो रजा अजहरी ने अतीक-अशरफ की हत्या पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अतीक अपराधी था, ठीक है। लेकिन, सांसद और विधायक भी रह चुके हैं। अपराधी को सजा देना न्यायालय का अधिकार है। सरकार ने अतीक और अशरफको मरवाया है। अजहरी ने कहा कि कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री ने भी अपने एक संबोधन में इसे मिट्टी में मिलाने की बात कही थी। उन्होंने अपराधी को मिट्टी में नहीं मिलाया, बल्कि राज्य के कानून और संविधान को मिट्टी में मिला दिया। हाफिज नूर कहते नजर आ रहे हैं कि बीजेपी शासित राज्यों में एक समुदाय विशेष के लोगों को डराया जा रहा है। हाफिज नूर पर मुकदमा दर्ज जांच शुरू कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

30 अप्रैल से 2 मई तक 7 ट्रेन बदले रूट से चलेगी

संवाददाता, लखनऊ। पश्चिम मध्य रेलवे के निशातपुरा यार्ड में 30 अप्रैल से 2 मई तक प्री-नॉन इंटरलॉक और नॉन इंटरलॉक होना है। इसकी वजह से 7 ट्रेनें बदले मार्ग से चलेंगी। इसमें अहमदाबाद जाने वाली ट्रेन शामिल है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अहमदाबाद से 30 अप्रैल, 2 व 03 मई को चलने वाली अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस बदले मार्ग मक्शी-रूठियाई-गुना-महादेवखेड़ी-मालखेड़ी के रास्ते चलाई जाएंगी। इसके अलावा अन्य गाड़ियों में गोरखपुर से 29, 30 अप्रैल व 1 मई को चलने वाली गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस, अहमदाबाद से 30 अप्रैल को चलने वाली अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस, पटना जंक्शन से 2 मई को चलने वाली पटना-अहमदाबाद एक्सप्रेस, बांद्रा टर्मिनस से 1 मई को चलने वाली बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस, गोरखपुर से 2 मई को चलने वाली गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस, कामाख्या से 30 अप्रैल को चलने वाली कामाख्या-डा. अम्बेडकरनगर एक्सप्रेस भी बदले मार्ग से चलाई जाएगी।

उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद के परिणाम घोषित लखनऊ पब्लिक स्कूल ने मारी बाजी

संवाददाता, लखनऊ। राजधानी के प्रसिद्ध लखनऊ पब्लिक स्कूल में घोषित उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद् के हाई स्कूल व इण्टरमीडिएट के परीक्षा परिणामों से विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गयी। अच्छे परिणामों से उनके चेहरों पर चमक आ गयी। वही उनके शिक्षक व शिक्षिकायें काफी खुश नजर आये। शत-प्रतिशत उत्तीर्ण परीक्षा परिणाम के साथ बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने नब्बे प्रतिशत से ऊपर का जादुई आंकड़ा पार किया। हाई स्कूल परीक्षा में विद्यालय के सचिन रावत ने 93.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया वही हर्षित यादव 92.17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की श्रेष्ठता सूची में दूसरे स्थान पर रहे। इण्टरमीडिएट के परिणामों में हर्ष शुक्ला ने 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पहले स्थान पर रहे वही सिमरन ने 91.0 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय की श्रेष्ठता सूची में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

कानून व्यवस्था बेजार, कानून के रखवाले भी बदमाशों के हो रहे शिकार : कांग्रेस

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के मीडिया संयोजक एवं प्रवक्ता अशोक सिंह ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से जारी बयान में लखीमपुर खीरी में पुलिस के सिपाही अनिल सिंह चौहान की बेखौफबदमाशों द्वारा गोली मारकर की गई नृशंस हत्या प्रदेश की दिनों दिन बेजार होती जा रही कानून व्यवस्था का जीता जागता उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के हालात यह हो गये हैं कि खुद कानून के रखवाले ही बदमाशों की गोलियों के शिकार हो रहे हैं। हरदोई में राजस्व टीम के सामने ही गोलियां चली। राजधानी के अति व्यस्तम इलाके कैसरबाग में सेरेाह महिला की चेन और व्यापारी का लाखों रुपये की लूट हुई। उन्नाव में दलित बच्ची के रेप के आरोपियों के जेल से छूटने पर पीड़िता और उसके बच्चे को जिंदा जलाया।

अयोध्या का कचरा भी होगा फायदेमंद, बनेगा बायोडीजल

- राम मंदिर के उदघाटन से पहले शुरू हो जायेगी परियोजना
- श्रद्धालुओं की आमद बढ़ेगी तो कचरा और भीड़ भी बढ़ना तय

संवाददाता

लखनऊ। आज के दौर में कुछ भी बेस्ट नही ,बस उसके अंदर अवसर की तलाश आवश्यक है। कहावत है, गुदड़ी में होते हैं लाल। लाल होते मगर जो पारखी है, ढूंढ लेता है। अयोध्या में अब ऐसे ही होने वाला है। कचरे से बायोडीजल बनेगा। हर शहर की सबसे बड़ी समस्या बेस्ट एंड क्राउड की होती है। अयोध्या चूंकि विश्व के पटल पर पर्यटन के लिहाज से प्रमुख स्थान बना चुकी है, जाहिर है पर्यटकों की आमद बढ़ेगी तो सम्भावित समस्याओं का निदान करना होगा। राम मंदिर के उद्घाटन से पहले अयोध्या के नाम बड़ी उपलब्धि जुड़ गई। 2024 में राम मंदिर का उद्घाटन होना है। राम मंदिर के खुलने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में भारी उछाल आने की संभावना है। इससे और कचरा पैदा होगा और निस्तारण निगम के लिए प्रमुख मुद्दा होगा।

इसको देखते कचरे से बायोडीजल बनाने के पायलट प्रोजेक्ट के लिए अयोध्या को चुना गया है। नगर निगम आयुक्त विशाल सिंह के मुताबिक जल्द ही बायोडीजल प्रोजेक्ट शुरू होगा। बेल्जियम की वीटो जल्द ही अयोध्या में एक बायोडीजल प्रोजेक्ट शुरू करने वाली है। कंपनी, जिसके अधिकारियों ने प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू कर दिया है। कम्पनी क्लीनटेक और सतत विकास के क्षेत्रों में काम करती है। वीटो के एशिया-प्रशांत प्रमुख हफीज रहमान और अधिकारियों ने अयोध्या प्रशासन के अधिकारियों केसाथ बैठक की। अयोध्या नगर निगम के अधिकारियों के लिए कार्यशाला आयोजित की। अयोध्या में भीड़ प्रबंधन पर अध्ययन करने के लिए ट्रस्ट ने रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस को अनुबंधित किया है। आरआईटीईएस, अयोध्या में भीड़ प्रबंधन पर एक रिपोर्ट तैयार करेगा जिसे राज्य सरकार द्वारा शहर में लागू किया जाएगा।सरकारी अधिकारियों के अनुसार अयोध्या को पायलट प्रोजेक्ट के लिए इसलिए चुना गया है क्योंकि अगले साल जनवरी में राम मंदिर के खुलने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में भारी उछाल आने की संभावना है। इससे और कचरा पैदा होगा और कचरे का निस्तारण निगम के लिए एक प्रमुख मुद्दा होगा। राम मंदिर के निर्माण में शामिल संस्था श्री राम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र ट्रस्ट ने हर महीने कई लाख भक्तों के आने का अनुमान लगाया है। निगम अधिकारियों के मुताबिक कंपनी कचरे से कार्डबोर्ड और अन्य उत्पाद तैयार करने में मदद करेगी। अयोध्या में वेस्ट मैनेजमेंट के अलावा भीड़ को मैनेज करना भी एक बड़ी चुनौती होगी। अगले साल जनवरी में राम मंदिर के खुलने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा लाजिमी है। इससे और कचरा पैदा होगा, कचरे का निस्तारण निगम के लिए एक प्रमुख मुद्दा होगा। राम मंदिर के निर्माण में शामिल संस्था श्री राम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र ट्रस्ट का हर महीने कई लाख भक्तों के आने का अनुमान है। अधिकारियों के मुताबिक कंपनी कचरे से कार्डबोर्ड और अन्य उत्पाद तैयार करने में मदद करेगी। एक सरकारी अधिकारी का दावा है कि अगर परियोजना अयोध्या में सफल होती है तो राज्य के अन्य हिस्सों में चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाएगा। अयोध्या में वेस्ट मैनेजमेंट के अलावा भीड़ को मैनेज करना बड़ी चुनौती होगी।

सपा विधायक का विद्रोह

पार्टी उम्मीदवार के बजाय निर्दलीय को समर्थन

संवाददाता

लखनऊ। बलिया जिले के सिकंदरपुर विधानसभा क्षेत्र समाजवादी पार्टी के विधायक एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद जियाउद्दीन रिजवी ने पार्टी उम्मीदवार के विरोध में निर्दलीय उम्मीदवार को चुनाव लड़ाने की घोषणा की है। सिकंदरपुर नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए सपा ने दिनेश चौधरी को उम्मीदवार बनाया है जबकि विधायक रिजवी ने उनके विरुद्ध निर्दलीय उम्मीदवार भीष्म यादव को अपना समर्थन दिया है। सपा विधायक श्री रिजवी ने सिकंदरपुर में संवाददाताओं से बातचीत में सिकंदरपुर नगर पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर विद्रोही तेवर दिखाते हुए कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में तय हुआ था कि भीष्म यादव सिकंदरपुर नगर पंचायत अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे। जिला स्तर पर बनी चयन समिति ने भीष्म यादव के नाम पर मुहर लगाई और हम लोग उन्हें उम्मीदवार घोषित किए जाने को लेकर आश्वस्त थे। विधायक ने आरोप लगाया, सपा की रणनीति से घबराकर भारतीय जनता पार्टी ने साजिश रचने का कार्य किया। पार्टी के एक स्थानीय नेता ने भाजपा के पूर्व विधायक के साथ मिलकर भाजपा को विजयी बनाने के लिए षड्यंत्र रचा तथा दिनेश चौधरी को डमी उम्मीदवार के रूप में पार्टी का चुनाव चिन्ह दिलवा दिया। उन्होंने कहा, अफ्वाह है कि हमारे नेताओं को कुछ पैसा भी दिया गया है। हमारी पार्टी के कुछ लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को गुमराह किया है।रिजवी ने ऐलान किया, भीष्म यादव चुनाव लड़ेंगे तथा पार्टी के सभी लोग इनका समर्थन करेंगे। सपा के जिलाध्यक्ष राज मंगल यादव ने सपा विधायक के आरोप को बेबुनियाद करार देते हुए इसे खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, टिकट वितरण राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम की सहमति के बाद किया गया है। सपा के बड़े नेता से लेकर कार्यकर्ताओं का कर्तव्य सपा उम्मीदवार को जीत दिलाने का है। जिलाध्यक्ष ने कहा, यदि कोई ऐसा नहीं करता तो माना जाएगा किअनुशासनहीनता कर रहा है, जरूरत पड़ेगी तो पार्टी ऐसे लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करेगी। सिकंदरपुर नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए सपा के उम्मीदवार दिनेश चौधरी के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार भीष्म यादव नेअपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है।

पूर्व सीएम हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर योगी ने दी श्रद्धांजलि

कहा, देश की सेवा में योगदानों के लिए वे सदैव किए जाएंगे याद

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। सीएम ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! देश एवं प्रदेश की सेवा में अपने योगदानों के लिए वे सदैव स्मरण किए जाएंगे। बता दें कि, आज पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा की 104वीं पावन जयंती है। सीएम योगी ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि, स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा का प्रदेश के विकास के लिए विजन स्पष्ट था। उन्होंने देश की आजादी के विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी निभाई थी। सीएम ने उन्हें याद करते हुए बताया कि, उनका जन्म 25 अप्रैल 1919 को आज के उत्तराखंड के पौड़ी जनपद के एक गांव में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही एक स्कूल में ग्रहण

की और उन्होंने अपनी सेकेंडरी, सीनियर सेकेंडरी के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए प्रयागराज का रुख किया। सीएम योगी ने कहा कि, उन्होंने वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान व बाद में भी देश की आजादी के लिए विभिन्न आंदोलनों में बढ़चढ़ कर भाग लिया। प्रयागराज और उत्तर प्रदेश के विकास के लिए उनका विजन बहुत स्पष्ट था। ऐसे में अनेक दायित्वों का निर्वहन करने का अवसर उन्हें स्वतंत्र भारत के रूप में प्राप्त हुआ। वह प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश और देश की सेवा के लिए सदैव स्मरण किए जाएंगे। इसी दौरान सीएम योगी के साथ मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद समेत तमाम अधिकारियों ने भी पूर्व मुख्यमंत्री को श्रद्धांजलि दी।

सपा ने मतदाताओं के लिए जारी की अपील

मनरेगा की तर्ज पर रोजगार गारंटी का किया वादा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) ने राज्य के नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर आज यानी मंगलवार को मतदाताओं के लिए अपील जारी की और कहा कि, सपा के जीतने पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) की तर्ज पर नगरीय रोजगार गारंटी योजना शुरू की जाएगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के हस्ताक्षर से जारी अपील में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर नगर निकायों में जमकर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया गया। बता दें कि, अखिलेश ने अपील में कहा गया कि, उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार का शोर है और ज्यादातर स्थानीय संस्थाओं में भी भाजपा काफी समय से काबिज है लेकिन इस पार्टी के सत्ता में रहते हुए विकास कार्य रुके हुए हैं और भ्रष्टाचार से लोग त्रस्त हैं। इसमें कहा गया, भाजपा राज में स्मार्ट सिटी का जुमला खूब उछाला गया लेकिन हकीकत ठीक उसके उलट है। साफ-सफाई के नाम पर सिर्फ घोटाला होता रहा। गृह कर और जलकर के निर्धारण में घोटाला चरम पर है। भाजपा सरकार ने नागरिकों पर संपत्ति कर पिछली तारीखों से लगाया है। यह एक भ्रष्टाचार है और सपा इसका पुनरीक्षण करेगी। सपा मुखिया ने अपील में कहा कि, समाजवादी पार्टी का संकल्प है कि वह नगर निकाय चुनाव में जीत हासिल करने पर सभी क्षेत्रों में विकास की गतिविधियों को बढ़ावा देगी, साथ ही साफ -सफ ाई, पेयजल की व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट और शिक्षा-स्वास्थ्य को सुधारने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने मनरेगा की तर्ज पर नगर रोजगार गारंटी देने का वादा किया और कहा कि सपा नगर स्तर पर अपने क्षेत्रों में अच्छा काम करने वालों को नगर भारती सम्मान देगी और समाजवादी कैंटीन तथा किराना स्टोर स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 'लीज होल्ड संपत्तियों का रुका हुआ नियमितीकरण दोबारा शुरू किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपील में मतदाताओं से कहा कि नगर निकाय चुनावों में सपा की जीत होने पर पार्कों में योग केंद्र खुलेंगे, नए सामुदायिक केंद्र बनाए जाएंगे और गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा तथा महिलाओं के स्वास्थ्य तथा सुरक्षा के लिए खास पहल की जाएगी। सपा प्रमुख ने कहा कि, उनकी सरकार के कार्यकाल में जहां राजधानी लखनऊ के सौंदर्यीकरण की दृष्टि से गोमती रिवर फ्रंट, जनेश्वर मिश्र और डॉक्टर राम मनोहर लोहिया पार्क तथा इकाना स्टेडियम जैसे निर्माण कार्य किए गए थे, वहीं भाजपा सरकार ने कहीं ईंट तक नहीं लगाई और वह सिर्फसपा सरकार के कार्यों को अपने नाम करने में ही मशगूल रही।

शेक्सपियर इज नॉट ऑफए एज, फॉर ऑल टाइम विषय पर संगोष्ठी

संवाददाता

लखनऊ। महिला विद्यालय डिग्री कॉलेज के परनासस क्लब ने शेक्सपियर इज नॉट ऑफए एज, फ ॉर ऑल टाइम विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज बाला श्रीवास्तव ने संगोष्ठी के विषय पर ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि विलियम शेक्सपियर जैसे महान साहित्यकार की प्रासंगिकता किसी एक युग या समय तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी रचनाएं और विचार सार्वभौम और कालातीत हैं। कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती निशा गुप्ता द्वारा अंग्रेजी विभाग के द म्यूजियम नाम से समाचार बुलेटिन

का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर श्रीमती इंद्रा शुक्ला, डॉ. रमा जैन, डॉ. आयुषी जायसवाल, डॉ. अनीता वर्मा, सुश्री रंजना अग्रवाल सहित अन्य शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। अंग्रेजी विभाग की विद्यार्थी परिषद के सदस्यों वर्तिका सिंह, इति बौध, तमन्ना सिंह, रितु वर्मा, हर्षिता सिंह, कुमकुम भारती द्वारा संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।

यूपी में अपराधियों की नाइट विजन बाइनाकुलर से निगरानी

5 हाई सिक्योरिटी जेल, पैनिक अलार्म और लाइटिंग प्रोटेक्शन सिस्टम से लैस

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की जेलों में बंद अपराधी और माफिया की हर गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी को आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस सिस्टम से लैस किया गया है। वहीं, प्रदेश की 5 हाई सिक्योरिटी जेलों में ड्यूअल व्यू स्कैनर बैगेज, नाइट विजन बाइनाकुलर, पैनिक अलार्म, फुल ह्यूमन बॉडी वार्न स्कैनर, मुलाकात घर के लिए कांट्रैक्ट लैस ग्लास

समेत नई टेक्नोलॉजी के उपकरणों को लगाया गया है। प्रदेश की कारागारों में निरुद्ध विचाराधीन बंदियों की शत प्रतिशत रिमांड वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कराने के लिए अब तक 145 वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हाल को स्थापित किया गया है। जिसमें 72 कारागार और 73 जिला न्यायालय शामिल हैं। वहीं प्रदेश के पांच हाई सिक्योरिटी जेल लखनऊ, आजमगढ़, चित्रकूट, गौतमबुद्धनगर और केंद्रीय कारागार बरेली-द्वितीय में 5 ड्यूअल व्यू स्कैनर बैगेज, 5 फुल ह्यूमन बॉडी वार्न जेस्कैनर, 130 मुलाकात घर के लिए कॉन्टैक्ट लेस ग्लास, 5 पैनिक अलार्म सिस्टम, 15 नाइट विजन बाइनाकुलर और 5 लाइटिंग प्रोटेक्शन सिस्टम यूनिट का काम पूरा किया जा चुका है।कारागारों की सुरक्षा व्यवस्था को और चाक चौबंद करने के लिए चरणबद्ध तरीके से सीसीटीवी सर्विलान्स यूनिट्स की स्थापना की जा रही है। कारागारों में संवेदनशील स्थलों को चिह्नित कर हर कारागार में कम से कम 30 कैमरों को स्थापित किया गया है। प्रदेश के सभी कारागारों में लगभग 3600 से अधिक सीसीटीवी लगाए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों के फीड को मुख्यालय में प्राप्त कर उच्च स्तरीय निगरानी के लिए कमांड सेंटर स्थापित किया गया है। जिससे कारागारों में स्थापित कैमरों की लाइव फीड वीडियोवॉल में मिल रही है। अभी तक 1200 से अधिक कैमरे इसमें संयोजित हो चुके हैं, जिन्हें आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स (एआई) के जरिए अलर्ट मिलता है।प्रदेश के दस कारागार नैनी, फ्तेहगढ़, आगरा, वाराणसी और जिला कारागार मेरठ, बुलंदशहर, हरदोई, फिरोजाबाद, सहारनपुर और आगरा को बॉडी वार्न कैमरों के लिए शासन को वित्तीय स्वीकृति के लिए पत्र लिखा गया है। जबकि 20 कारागारों केंद्रीय कारागार नैनी, फ्तेहगढ़, बरेली, आगरा, वाराणसी, मुजफ्फरनगर, कानपुर नगर, गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर, वाराणसी, अलीगढ़, सीतापुर, फि रोजाबाद, खीरी, मुरादाबाद, कानपुर देहात, झांसी शाहजहांपुर एवं बाराबंकी में लाइटिंग प्रोटेक्शन सिस्टम की स्थापना के लिए शासन को पत्र लिखा गया है।

अवध ज्योतिष विभूषण करूणा शंकर को मिली उपाधि

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

भरथना,इटावा। अर्न्तराष्ट्रीय ज्योतिष संस्था राष्ट्रीय ज्योतिष एवं रूद्राक्ष अनुसंधान के तत्वाधान् में कला मंडपम् कैसर बाग लखनऊ के सभागार में सनातन धर्म एवं ज्योतिष समिट का आयोजन सम्पन्न हुआ। विगत दिवस सम्पन्न कार्यक्रम का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में नेपाल, नीदरलैण्ड,हॉलैण्ड, मॉरीशस व भारत आदि के कई ज्योतिषों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान उपरोक्त कार्यक्रम में भरथना नगर के मुहल्ला तिलक रोड निवासी विद्वान ज्योतिष वैज्ञानिक पंडित करूणा शंकर दुबे ने भागीदारी करते हुए अपना शोध (रिसर्च) प्रस्तुत किया। जिसे सदन ने स्वीकारते हुए सराहना की। इस मौके पर मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री श्री पाठक की गरिमामयी उपस्थिति में संस्था के पदाधिकारियों ने पंडित करूणा शंकर दुबे को अवध ज्योतिष विभूषण की उपाधि एवं अवध ज्योतिष सम्मान से सम्मानित किया। पंडित करूणा शंकर दुबे को सम्मानित किये जाने पर पर पूर्व मंत्री अशोक यादव, श्रीकृष्ण यादव, उपदेश कुमार यादव,पूर्व ब्लाक प्रमुख हरिओम यादव,प्रवीण कुमार दुबे, संजय दुबे,हरीबाबू तिवारी, नीरज यादव,हरिश्चन्द्र शर्मा वैद्य,लालजी पोरवाल, सुशील भंसाली,राजेन्द्र दीक्षित,जगपाल सिंह कुशवाह,सन्तोष गोस्वामी आदि ने शुभकामनायें दीं हैं।

मतदाता की यही पुकार क्षय रोग मुक्त इटावा हो इस बार

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

इटावा। इटावा जनपद में नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं। चुनाव में इस बार शहर की मूल समस्याओं के साथ क्षय रोग जैसा स्वास्थ्य का मुद्दा भी चर्चा में है। इस चुनाव में एक नया नारा भी गूंज रहा है कि मतदाता की है यही पुकार,क्षय मुक्त इटावा हो इस बार। विभिन्न इलाकों के मतदाताओं ने किस तरह जन समस्याओं में क्षय रोग जैसा मुद्दे को प्राथमिकता दी है।इटावा जनता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0राजेश त्रिपाठी ने कहा कि क्षय रोग मुक्त इटावा बनाने के लिए विभिन्न मोहल्लों में स्वास्थ्य समिति गठित हो। इसमें टीबी सहित अन्य बीमारियों के सही इलाज के लिए मिलने वाली सुविधाओं के संदर्भ में लोगों को सही काउंसलिंग की जाए। इस चुनाव में उतरे जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर भी अपनी कार्य योजना को जनता के सामने रखें। इटावा शहर के जाने-माने पर्यावरणविद् राजीव चौहान का कहना है कि स्वस्थ जीवन के लिए बीमारियों से निजात मिलना आवश्यक है। इसलिए टीबी जैसी बीमारी को दूर करने के लिए टीबी से संक्रमित स्थानीय लोगों की जांच जल्द कराने व तुरंत इलाज शुरू करने के लिए जनप्रतिनिधियों को प्रतिबद्ध होना चाहिए। जनपद के प्रसिद्ध साहित्यकार व शिक्षक डॉ0कुश चतुर्वेदी ने कहा कि जनपद को क्षय मुक्त बनाने के लिए इस बार चुनाव में उतरे जनप्रतिनिधियों को क्षय रोगियों के सहयोग के लिए निक्षय मित्र की अनिवार्य भूमिका के रूप में कार्य करना चाहिए। इससे क्षय रोगियों को बेहतर पोषण और उचित देखभाल मिल सके। प्रगतिशील किसान की भूमिका में कार्य करने वाली मंत्रवती ने कहा कि अगर अपने-अपने क्षेत्र में जनप्रतिनिधि सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं और इलाज के संदर्भ में सही जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं तो गरीब क्षय रोगी अपना इलाज सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर ही कराएंगें। इससे उन्हें आर्थिक नुकसान नहीं होगा। इसलिए क्षय रोगियों के हित में अब जनप्रतिनिधियों को काम करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

टीबी एक ऐसी बीमारी है जो किसी को भी हो सकती है। एक संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने मात्र से पूरे परिवार व आस पड़ोस के स्वस्थ लोग भी संक्रमित हो सकते हैं। हालांकि इसका इलाज संभव है और समय से इलाज शुरू हो जाने पर यह बीमारी पूरी तरह समाप्त भी हो जाती है। इलाज नहीं करवाने पर व्यक्ति की जान भी जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े के अनुसार जनपद में वर्तमान में 2179 मरीज सक्रिय हैं। वहीं 225 मरीजों को गोद लिया गया है। इसीलिए इस बीमारी को लेकर इस बार मतदाता ठान चुके हैं कि जो भी विकास कार्यों के साथ स्वास्थ्य मुद्दों को ठीक करने प्राथमिकता के साथ आश्वासन देगा। वोट भी उसी व्यक्ति को मिलेगा। अधिकतर लोगों का कहना है क्षय मुक्त इटावा के लिए शहर में चुनाव के लिए मैदान में उतरे जनप्रतिनिधियों को मुखर होकर क्षय उन्मूलन के लिए कार्य करना होगा और क्षय रोगियों को बेहतर पोषण और इलाज के लिए निरंतर सहयोग प्रदान करना चाहिए।

दलों की अदला-बदली करा रही है प्रत्याशियों से मतदाताओं की चरण वंदना

सपा भाजपा है और भाजपा सपा है

राजेश मिश्र/संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। राजनीति भी बड़ी अजीब है कब किसको किसके चरणो मे गिरा दे इसका अंदाजा लगा पाना बड़ा मुश्किल है। हम बात कर रहे है महराजगंज नगर पंचायत के चुनावी जंग की।क्योंकि इस बार सपा भाजपा है और भाजपा सपा है। जिन मतदाताओं से वोट मांगने में था परहेज, आज उन्हीं से कर रहे हैं अपने पक्ष में मतदान अपील

फोटो सपा प्रत्याशी शोभनाथ वैश्य

बात है सन 2002 की भारतीय जनता पार्टी से चुनाव लड़ कर रनर रहे शोभनाथ वैश्य इस बार साइकिल की सवारी कर उसे पूरे कस्बे में दौड़ा कर जनता से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। जनाब को 2002 के चुनाव में जिन मतदाताओं से वोट मांगने में परहेज था आज वही इनका मुख्य मतदाता है। आज वो पहले की बनी खाई को पाटने के प्रयास में सबकी चरण वंदना कर उसे पूरी तरह से पाट कर बराबर करने का प्रयास कर रहे हैं। देखना है कि इनकी चरण बंदना किस हद तक कामयाब होती है। ये तो मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा। फ्लिहाल इनके लिए ये शेर बहुत सटीक बैठ रहा है ष्वो जो मिलते थे कभी हमसे गैरों की तरह, आज यू मिलते है जैसे सगे परिवार के हो जिन मतदाताओं ने पहली बार पहनाया था विजय का ताज, आज वही हैं दूर

फोटो बीजेपी प्रत्याशी सरला साहू

ठीक यही कहानी बीजेपी प्रत्याशी सरला साहू की भी है। जब पहली बार 2006 के चुनाव में समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़कर जिन मतदाताओं के बलबूते पर अपनी चुनावी वैतरणी पार कर नगर पंचायत अध्यक्ष बनीं थी आज भाजपा के कारण वही मतदाता उनसे दूरी बनाए हुए हैं या यूँ कहिए की जिन मतदाताओं ने 2002 के चुनाव में इन्हे विजय का ताज पहनाया था आज 2023 के चुनाव में कुछ को छोड़ कर शेष चाह कर भी दूरी बनाए हुए हैं। देखना है की 2006 के चुनाव में सर आखों पर बैठाने वाला मतदाता इस बार किस हद तक साथ निभाता है। सरला साहू पर भी एक शेर सटीक बैठता है ष्वो जो मिलते थे कभी हमसे दीवानों की तरह, आज यू मिलते हैं जैसे कभी पहचान न थीष्

जनाधार न तब था और न अब है.....

फोटो कॉंग्रेस प्रत्याशी इरसाद आलम

अब हम बात करते है कांग्रेस की।इसका जनाधार न तब था और न अब है। काग्रेस एक काम अवश्य कर रही है। कांग्रेस ने मुस्लिम प्रत्याशी इरसाद आलम को चुनाव मैदान में उतार कर सपा के परम्परागत वोटों का ध्रुवीकरण करने का काम अवश्य कर रही है। वही कहावत है कि हम तो डूबेंगे सनम तुमको भी ले डूबेंगे ।

पर्दे के पीछे है वही चेहरा, केवल बदल गया है मोहरा

पिछले पाँच सालों में नगर की नाली-सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं का हाल बुरा

रवीन्द्र भारद्वाज/संवाददाता

रायबरेली। निकाय चुनाव में बीजेपी प्रत्याशियों को जिताने की अपील करने आए योगी आदित्य नाथ ने भाजपा के पक्ष में कितना माहौल बनाया है यह बात तो चुनाव के परिणाम को देख कर ही पता लगेगा लेकिन बीती 24 अप्रैल को आँधी के साथ तेज बारिश ने नगर पालिका सीट से बीजेपी प्रत्याशी के लिए थोड़ी मुश्किलें जरूर बढ़ा दी हैं। सबको पता है कि बीजेपी ने जिस प्रत्याशी को टिकट दिया है वो उसी की पसन्द का है जिसने पिछले पाँच साल तक नगर पालिका को पर्दे के पीछे से चलाया है। पिछले पाँच सालों में नगर की नाली-सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं का हाल बहुत बुरा रहा है। बारिश में जल भराव के साथ-साथ सीवर का पानी घरों में घुसने के बाद नगर की जनता पालिका अध्यक्ष को कोसती नजर आती रही है! अब जब चुनाव में एक नए अध्यक्ष को चुन कर शहर के विकास की जनता में उम्मीद जगी है तो जनता यह देख कर असमंजस में है कि बीजेपी प्रत्याशी को चुनाव लड़वाने लोग पर्दे के पीछे वही हैं जो पिछली पंचवर्षीय में थे जनता को लग रहा है कि कहीं आने वाला समय भी पिछले पांच सालों जैसा ही ना हो जाए, जनता को अब समझ आ रहा है कि केवल मोहरा बदल गया है, पर्दे के पीछे का चेहरा वही है। लोग भले ही सपा के प्रत्याशी को एक बड़े नेता का जेबी बता रहे हों लेकिन बीजेपी प्रत्याशी भी अपनी पार्टी के एक बड़े नेता की जेबी ही साबित हो रही है, फर्क बस इतना है कि सपा का प्रत्याशी पाँचवी पास है तो बीजेपी की प्रत्याशी डिग्री धारी हैं। लेकिन जिस तरह पिछले पाँच सालों में अमृत योजना का अधूरा काम शहर की जनता को परेशान करता रहा है अगर रिमोट वाला प्रत्याशी चुनाव जीतेगा तो आने वाले समय में शहर की जनता को भी वही सब फिर से देखना पड़ेगा जो उसने पिछले पांच सालों में झेला है। शहर की जनता जागरूक होती है तो ऐसे में नहीं लगता है कि मुख्यमंत्री के दौरे का कोई बहुत असर पड़ने वाला है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रायबरेली की जनता को सम्बोधित करते हुए मजबूत कानून व्यवस्था और शिक्षा की बात जरूर की है लेकिन नगर की मूल-भूत समस्याओ में सुधार और नगर के विकास को लेकर कोई ठोस बात नहीं बोली है।

बीजेपी प्रत्याशी के प्रचार में पूर्णिमा श्रीवास्तव की फोटो गायब

निवर्तमान नगर पालिका चेयरमैन पूर्णिमा श्रीवास्तव की फेटो प्रत्याशी के बैनर होर्डिंग में ना होना बहुत कुछ बयान कर रहा है, पूर्णिमा श्रीवास्तव कांग्रेस से चुनाव लड़ कर पालिका की अध्यक्ष बनी थी लेकिन कुछ ही समय बाद वो बीजेपी में शामिल हो गयी थी! उनके कार्यकाल से नगर की जनता खुश नहीं थी इसीलिए वर्तमान में बीजेपी प्रत्याशी को उनकी फेटो से परहेज है जबकि जनता को ज्ञात है कि पिछले कार्यकाल में जो लोग नगर पालिका को चला रहे थे वही लोग वर्तमान प्रत्याशी के पीछे भी हैं, हालांकि पूर्णिमा श्रीवास्तव की फेटो प्रचार में ना होने से कायस्थ बिरादरी के लोग सोशल मीडिया पर काफी नाराजगी जता रहे है, और नगर क्षेत्र में कायस्थ बिरादरी के वोट बहुतायत है तब भी पूर्णिमा की फेटो का ना होना बीजेपी प्रत्याशी के चुनाव को आसान नहीं बनाता है! गौरतलब यह है पिछले पाँच वर्षो तक पर्दे के पीछे जिन लोगों ने नगर पालिका को चलाया था अब वही लोग वर्तमान प्रत्याशी के साथ है और चर्चा यह है कि टिकट भी उन्ही ने दिलवाया है! लोग इस बात पर चुहिल ले रहे है कि आज पूर्णिमा श्रीवास्तव का फेटो गायब है और अगर इस बार शालिनी कनौजिया जीत भी जाती है तो अगले चुनाव में शालिनी कनौजिया प्रचार के परिदृश्य से गायब रहेंगी क्योंकि मोहरे बदलते रहेंगे और पर्दे के पीछे के खिलाड़ी वही रहेंगे।

कोटिया में वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

बहराइच। आरबीआई के निर्देश पर इंडियन बैंक के सहयोग से एवोक इंडिया के द्वारा मनी वाइज वित्तीय साक्षरता केंद्र शिवपुर की ओर महसी ब्लाक के ग्राम पंचायत कोटिया में वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्तीय साक्षरता सलाहकार वेद प्रकाश शुक्ला जबकि विशिष्ट अतिथि प्रभारी मंडल प्रमुख पवन पाठक रहें। मुख्य अतिथि वित्तीय साक्षरता सलाहकार वेद प्रकाश शुक्ला ने डिजिटल बैंकिंग पर जोर देते हुए उसके महत्त्व को ग्रामीणों को अवगत कराया गया। प्रभारी मंडल प्रमुख पवन पाठक ने कहा कि कार्यक्रम में वित्तीय अनुशासन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर लोगों के बीच जागरूकता फैलाने का अभियान चलाया जा रहा है।जिसके तहत ग्राहकों को जिम्मेदार, समझदार और होशियार बनने के प्रति जागरूकता फैलाई जा रही है। जिसमें उन्हें अपनी ईएमआई और देय राशि का भुगतान समय पर करने, उतना ही उधार लेने जितना आप चुका सकें और अधिकृत संस्थानों से ही ऋण लेने आदि की जागरूकता की जानकारी दी जायेगी। डिस्ट्रिक्ट को-आर्डिनेटर आकाश शुक्ला ने विभिन्न लाभकारी योजनाएं जैसे अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, एटीएम कार्ड का उपयोग, मोबाइल बैंकिंग, शिक्षा ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, जन धन योजना, भीम एप आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। ब्लॉक फंक्शनरी आशुतोष मिश्रा व राकेश मौर्या ने वित्तीय लेन देन,अधिकृत वित्तीय संस्थान से ही ऋण लेने, समय पर ऋण अदा करने एवं लापरवाह व्यक्तियों के ऋण लेने पर जमानत में न पड़ने की जानकारी दी।इस दौरान रंजना तिवारी,सीमा देवी, आशियां बेगम,अंजना त्रिपाठी, सुनीता, संतोष कुमारी सहित दर्जनों लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

दुर्गा बॉल विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज के 6 बच्चों ने किया टॉप

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

खीरों, रायबरेली। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए हैं. बोर्ड की ओर से जारी किए गए नतीजों में खीरों की 12वीं कक्षा में कशिश 92: और रूपा ने 88: और उत्तम 87: के साथ विद्यालय में किया टॉप। वहीं 10वीं बोर्ड में खीरों की प्रिया ने 90: फीसदी अंक के साथ पहला स्थान हासिल किया वही आराधना ने 88: और शिवानी ने 88: अंक प्राप्त कर किया टॉप। टॉपर छात्र-छात्राओं के जैसे खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मिठाइयां बांटने का क्रम शुरू हो गया। मोबाइल की घंटिंया घनघनाने लगीं। सोशल साइट्स पर बधाइयों को दौर चल पड़ा। इंटरनेट पर रिजल्ट देखने की होड़ मच गई। गली चौराहों पर रिजल्ट के ही चर्चे थे। कई घरों में दो बच्चे हाईस्कूल और इंटर में थे। उनके पास होने पर खुशियां भी दोगुनी दिखाई दीं।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के बहन के अंतिम अरदास में पहुंचे राज्यमंत्री

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

बहराइच। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष परविंदर सिंह शम्मी की छोटी बहन सिमरन कौर उर्फ नैंसी की बीते 21 अप्रैल को हत्या कर दी गयी थी। मामले को दबाने के लिए देहात कोतवाल लगातार लगे रहे लेकिन जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के हस्तक्षेप के बाद घटना के 24 घण्टे बाद हत्या का मुकदमा दर्ज करना पड़ा। देहात कोतवाल के रवैये को लेकर सिख समुदाय में आक्रोश का माहौल व्याप्त रहा। बुधवार को पीपल तिराहे पर स्थित गुरुद्वारे में अंतिम अरदास का कार्यक्रम रखा गया जिसमें अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य दर्जा प्राप्त मंत्री परविंदर सिंह ने शिरकत की। इस दौरान सदर विधायक अनुपमा जायसवाल, विधान परिषद सदस्य डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, भाजपा नेता आनंद गोंड सहित जनपद के सिख समुदाय के लोग जुटे रहे।अंतिम अरदास में पहुंचे राज्यमंत्री परविंदर सिंह ने शम्मी सरदार व परिवार को ढांढस बांधते हुये कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार आपके साथ है।इस घटना की जितनी निंदा की जाए वो कम है।ऐसी घटनाएं नही होनी चाहिए।शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अमृतसर के उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के सलाहकार निर्मल सिंह ने कहा कि इस जघन्य अपराध को माफ नही किया जा सकता है।उससे बड़ा अपराध इस पर पर्दा डालने देहात कोतवाल ने किया।उन्होंने कहा कि इस घटना को लेकर सिख आक्रोशित थे आलमबाग गुरुद्वारे में एक निंदा प्रस्ताव भी पारित कर दिया गया था।उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की घटनाएं आगे भविष्य न हो इसके लिए दोनों प्रदेशों के गुरुद्वारों में योजनाबध्द बैठके आवश्यक है।एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी तो इस घटना से काफी भावुक दिखी।परिवारीजनों को देखते ही फफक कर रो पड़ी।सदर विधायक अनुपमा जायसवाल ने इस जघन्य अपराध को निन्दनीय बताया।अरदास कार्यक्रम में काठमांडू के पुलिस उपाधीक्षक सरदार शंकर सिंह,सुलह अधिकारी राकेश चन्द्र श्रीवास्तव,आनंद गोंड,रजनीश राठी, जशनप्रीत सिंह,मलकीत सिंह चीमा,मनदीप सिंह वालिया, भूपेंद्र सिंह, डॉ बलमीत कौर, समप्रीत सिंह, देवेंद्र सिंह बेदी, जगनंदन सिंह, लखबीर सिंह, महेंद्र सिंह, जोरावर सिंह, प्रीतपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोग मौजूद रहे।

13 महिलाओं समेत दो पुरूष ने कराया नसबंदी

संवाददाता, बहराइच। तेजवापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर नसबंदी शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 16 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। इनमें से 13 महिलाओं समेत 2 पुरूष ने नसबंदी कराई। प्रभारी सीएचसी अधीक्षक डा.अभिषेक अग्निहोत्री ने बताया कि शिविर में 16 लोगों के रजिस्ट्रेशन किए गए। इनमें 13 महिलाओं व दो पुरुष ने अपनी नसबंदी कराई। जिसमें दोनों पुरूष लाभार्थियों को पेंट शर्ट देकर प्रोत्साहित किया। और उन्होने बताया कि महिला नसबंदी के लाभार्थियों को विभाग की ओर से 2 हजार रुपए तथा पुरूष नसबंदी के लाभार्थियों को 3000 रूपए का प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाता है। इस अवसर पर सर्जन डा. मंतदेव व डा. बसंत ने नसबंदी के ऑपरेशन किए। इस मौके पर बीसीपीएम रोहित कुमार वर्मा, मोबियस फाउंडेशन से सुधांशु श्रीवास्तव, मौजूद रहें।

पीड़ित की संवेदना को स्वयं महसूस करते हुए शिकायतों का करें गुणवत्तापूर्ण निस्तारण:डीएम

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

सुलतानपुर/जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित प्रेरणा सभागार में आई0जी0आर0एस0 की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी, जिसमें मुख्यमंत्री सन्दर्भ, जिलाधिकारी सन्दर्भ, ऑनलाइन प्राप्त सन्दर्भ, भारत सरकार पी0जी0 पोर्टल सन्दर्भ, शासनध्राजस्व परिषद निदेशालय सन्दर्भ, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, वरिष्ठध्पुलिस अधीक्षक, महिला हेल्प डेस्क, एन्टी भू-माफिया सहित आदि सन्दर्भों के कुल 64958 शिकायत प्राप्त, जिसके सापेक्ष 63482 सन्दर्भ विभिन्न विभागों द्वारा निस्तारित किये गये तथा 1417 लंबित सन्दर्भ व 59 डिफाल्टर सन्दर्भ के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय में निस्तारित किये जायें।

जिलाधिकारी द्वारा आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायत के सम्बन्ध में परियोजना निदेशक(डीआरडीए), अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत, एसडीएम सदर, तहसीलदार जयसिंहपुर सहित अन्य विभागों द्वारा गुणवत्तापूर्ण आख्या न लगाने के कारण सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण न कर पुन: सम्बन्धित अधिकारियों को वापस भेजने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी किसी भी शिकायत का निस्तारण करते समय समस्या को भलीभाँति समझ कर गुणवत्तापूर्ण आख्या लगायें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी पीड़ित की संवेदना को स्वयं महसूस करते हुए भौतिक निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण आख्या लगायें, जिससे पीड़ित की समस्या का वास्तविक निदान हो सके। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन के मंशानुरूप जनसामान्य की शिकायतों का निराकरण शीर्ष प्राथमिकताओं के अनुरूप किये जायें। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही किसी भी दशा में बर्दास्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों का सम्बन्धित अधिकारी समयानुसार निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

पुलिस और आरएएफजवानों ने किया पैदल मार्च

नगर निकाय चुनाव के लिए जिले को मिले रैपिड एक्शन फोर्स के जवान

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

बहराइच। नगर निकाय चुनाव को सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए सरकार की ओर से जिले को रैपिड एक्शन फोर्स के जवान भेजे गए हैं। बुधवार को मटेरा पुलिस के साथ आरएएफके जवानों ने गांव में पैदल मार्च किया। जिले में नगर निकाय चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। नामांकन और नाम वापसी हो गया है। 1 तारीख के मतदान नगर निकाय चुनाव का मतदान चार मई को होना है। सकुशल चुनाव के लिए पुलिस अधीक्षक के मांग पर सरकार ने रैपिड एक्शन फोर्स जिले को भेज दी है। बुधवार को मटेरा थाने की पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने पैदल गस्त करते हुए शांति व्यवस्था कायम रखने का संदेश दिया। पुलिस व रैपिड एक्शन फोर्स ने संयुक्त रूप से मटेरा चौराहे से मटेरा बाजार तक कस्बे में पैदल मार्च किया। गस्त करते हुए शांति व्यवस्था कायम रखने का संदेश दिया। मटेरा थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने पैदल गस्त करते हुए संदेश दिया की शांति व्यवस्था कायम रहे। उन्होंने कहा कि कोई भी उपद्रवी नजर में आएगा तो उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। पैदल मार्च के दौरान प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह,रैपिड एक्शन फोर्स से अस्सिटेंट कमांडेंट महीप नारायन यादव, इंस्पेक्टर अनुग्रह नारायण,उपनिरीक्षक आशुतोश राय,सहित थाने व रैपिड एक्शन फोर्स के तमाम जवान मौजूद रहे।

सीसीटीवी कैमरें से सुलतानपुर हुआ लैस

संवाददाता, सुलतानपुर। खबरदार हो जाइये आपको पुलिस खुफ्मिा नजर से देख रही है,पुलिस ने यातायात व्यवस्था और राह चलते लोगों के साथ होने वाली घटनाओं पर पहरा बैठा दिया है,शहर में प्रवेश करते ही आप पुलिस के सीसीटीवी कैमरे की जद में रहेगें,कंट्रोल रूम से शहर के आवागमन और होने वाली घटना,दुर्घटना तथा लगने वाले जाम पर पुलिस की नजर रहेगी और त्वारित कार्यवाई की जाएगी,शहर को सीसीटीवी कैमरे से लैस करने का प्रस्ताव पूर्व में रहे पुलिस अधीक्षक शिवहरी मीणा के द्वा किया गया था,जिसको अमली जामा एसपी सोमेन बर्मा ने पहनाया है,3 लाख रू0 के बजट से शहर में अभी हाई क्वालिटी का रोड़वेज,कुड़वार नाका और शाहगंज पर कैमरे लगाए गए है,जिसपर नियंत्रण पुलिस कंट्रोल रूम से होगा,यातायात प्रभारी अनूप सिंह ने बताया की सीसीटीवी कैमरा लगने से अब आमजन मानस के साथ घटने वाली घटनाएं तथा शहर में जाम की समस्या को त्वरित संज्ञान में लेकर कार्यवाई होगी।

पीठासीन अधिकारियों का प्रशिक्षण आज

संवाददाता, सुलतानपुर। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन - 2023 को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु नियुक्त किये गये समस्त पीठासीन(च्च) अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी प्रथम (च1) का प्रथम गुरुवार को दो पॉलियों में (प्रथम पॉली प्रात: 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक व द्वितीय पॉली अपराह्न 2 बजे से सायं 5 बजे तक) राजकीय इण्टर कॉलेज सुलतानपुर निकट बस स्टैण्ड सुलतानपुर में सम्पन्न होगा। मुख्य विकास अधिकारीध्प्रभारी अधिकारी कार्मिक एवं प्रशिक्षण अंकुर कौशिक ने बताया कि होने वाले प्रशिक्षण में 211 पीठासीन अधिकारी व 211 मतदान अधिकारी प्रथम तथा पिंक बूथ में लगे 20 महिला कार्मिक प्रतिभाग करेंगे।

परशुराम की छटी उत्सव:भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

हवन पूजन के बाद हर्षोल्लास से मनाया छटी महोत्सव

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

भरथना, इटावा। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का छटी उत्सव बडे ही श्रद्धाभाव के साथ हर्षोल्लास व उमंगता के बीच मनाया गया। बुधवार को कस्बा के मिडिल स्कूल प्रांगण स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव मन्दिर परिसर में स्थापित भगवान परशुराम के मन्दिर पर भगवान परशुराम का छटी उत्सव बडी ही धूमधाम व श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। आचार्य द्वारा कराये गये वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सम्पन्न हुए पूजन अर्चन उपरान्त मौजूद सभी महिला-पुरूष श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से यज्ञ में पूर्णाहुति डालकर सर्वकल्याण की कामना की तथा भगवान परशुराम का छटी उत्सव मनाते हुए उनके गगनभेदी जयघोषों से समूचा मन्दिर प्रांगण गुंजायमान कर दिया। तदुपरान्त भोजन प्रसाद का कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर राम तिवारी, राजीव तिवारी, आशीष शुक्ला मोनू,रामू शुक्ला, अमित मिश्रा, गोपाल अवस्थी, रोहित यादव, भूरे तिवारी, अनिल पाठक, विनय शुक्ला, गोपाल दीक्षित, आयुष दुबे, संजय दुबे सहित सैकडों व्यवस्थापकों का विशेष सहयोग उल्लेखनीय रहा।

एडीओ आईएसबी व एडीओ सहकारिता के बीच कहासुनी के बाद मारपीट

संवाददाता, ऊँचाहार, रायबरेली। ब्लॉक में उस समय गहमागहमी का माहौल हो गया जब ब्लॉक में तैनात एडीओ आईएसबी व एडीओ सहकारिता के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। मामला बिगड़ता देख कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया। बताते हैं कि बुधवार को एडीओ आईएसबी हरिनारायण सिंह ने कक्ष में रखी हुई एडीओ आईएसबी रमेश चौधरी की कुर्सी मेज को हटवा कर मनरेगा हाल में रखवा दी गई। इसके बाद एडीओ पंचायत ने पूछताछ की तो पता चला कि उनकी कुर्सी को एडीओ आईएसबी ने हटवाई है। जिसके बाद रमेश चौधरी ने मामले की सूचना खंड विकास अधिकारी को दी। कुछ ही देर बाद एडीओ आईएसबी व एडीओ सहकारिता दोनों अधिकारी आमने-सामने हो गए। और दोनों में गालियां शुरू हो गई।

मतदान के करीब आते ही सियासी दलों ने चुनाव प्रचार किया और तेज

बहराइच में त्रिकोणीय संघर्ष के आसार, भाजपा 20 वर्षो का सूखा खत्म करने के लिए जी जान से जुटी

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

बहराइच।नगर निकाय के मतदान की तारीख नजदीक आते ही सियासी दलों ने जनसंपर्क और तेज कर दिया है। भाजपा, सपा, आप, कांग्रेस, निर्दलीय दलों ने डोर टू डोर जनसंपर्क करके शहर को मथ डाला है। वहीं भाजपा संगठन अपने सधे लक्ष्य से शनै शने आगे बढ़ती हुई दिखाई पड़ रही।सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते बूथ स्तर तक कार्यकर्ता सघन जनसंपर्क अभियान में लगे हुए है।बुधवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा नगर पालिका परिषद चुनाव के निमित्त महिला मोर्चा, युवा मोर्चा ,अनुसूचित मोर्चा, किसान मोर्चा द्वारा सघन जनसंपर्क किया गया। जिलाध्यक्ष श्याम करण टेकड़ीवाल द्वारा मेवातीपुरा कचेहरी व भाजपा प्रत्याशी सुधा देवी टेकड़ीवाल द्वारा रायपुर राजा में घर-घर जाकर संपर्क करते हुए अपने पक्ष में मतदान के लिए अपील की गयी। सदर विधायिकाअनुपमा जायसवाल द्वारा कानूनगोपुरा उत्तरी में घर-घर संपर्क कर भाजपा प्रत्याशी सुधा टेकड़ीवाल को विजयी बनाने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान सदर विधायिका ने कहा कि सुधा की जीत से नगर पालिका परिषद में विकास की गंगा बहेगी।ट्रिपल इंजन की सरकार विकास तेजी से होगा।जनसम्पर्क के दौरान जिला प्रभारी नीरज सिंह,कमल बहादुर सिंह, रणविजय सिंह, चंद्रभान सिंह संचित, राजन सिंह, समय प्रसाद मिश्रा,उर्मिला शुक्ला, हेमा निगम, डॉक्टर डिंपल जैन, सुषमा चौधरी, मंजू निगम, सुनीता बाल्मीकि, प्रशांत मिश्रा, देवेंद्र कुमार मिश्र, सचिन श्रीवास्तव, चौधरी पूरन सिंह, सतीश सिंह,के० के० मिश्र, अर्चना मिश्रा,बृजेश पांडेय, अर्पित श्रीवास्तव, रामकृपाल मिश्र, अखिलेश यादव गोले, मानवेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बैंक के सहयोग से घरेलू महिलाएं भी बन रही हैं आत्मनिर्भर : दविन्दर पाल ग्रोवर

बड़ौदा यूपी बैंक की अरखा शाखा नई बिल्डिंग में हुई स्थानांतरित

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

रायबरेली। हौसलों की उड़ान लिए बैंक आने वाली महिलाओं हरसंभव मदद करना ही हमारा उद्देश्य है । कई बार महिलाओं को अनेकों परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है । फिर भी हार न मानने वाली घरेलू महिलाएं बैंक के सहयोग से आत्मनिर्भर बन रही हैं । उक्त विचार बड़ौदा यूपी बैंक के चेयरमैन दविन्दर पाल ग्रोवर ने ऊंचाहार की अरखा शाखा को नई बिल्डिंग में स्थानांतरित करने के दौरान आयोजित चौपाल में व्यक्त किये । सर्वप्रथम श्री ग्रोवर ने फीता काटकर शाखा का औपचारिक शुभारंभ किया । इसके बाद मुख्य अतिथि का फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया । दीप प्रज्वलित करके चौपाल की शुरूआत के बाद स्वागत गीत और समूह गीत के माध्यम से उपस्थित महिलाओं को जागरूकता का सन्देश दिया गया । इस दौरान कई स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ऋण की चेक भी वितरित की गई । कार्यक्रम का संचालन वित्तीय साक्षरता सलाहकार विनोद कुमार शुक्ला ने किया । इस मौके पर मुख्य रूप से प्रशासनिक प्रमुख प्रेम प्रकाश सिन्हा, क्षेत्रीय प्रबंधक प्रवीण कुमार, मुख्य प्रबंधक ब्रिजेन्द्र नागराजन, एलडीएम राजीव पांडेय, शाखा प्रबंधक ब्रहमस्पति उपाध्याय, सहायक प्रबंधक प्रबल गौतम, प्रकाश दीक्षित, जय सजनानी, विजय कुमार, प्रभु महिला स्वयं सहायता समूह बेहरामऊ की अध्यक्ष अंशुल यादव, कोषाध्यक्ष रेनू, सचिव रूपा यादव, रेनू विश्वकर्मा, कीमती, कृष्णावती विश्वकर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे ।

बाग में पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों लटका मिला युवक का शव

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। रात्रि में खाना खाकर निकले युवक का सुबह घर से थोड़ी दूर स्थित बाग में एक पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों में शव लटका मिला। युवक के फांसी के फंदे से लटका होने की सूचना मिलते ही परिजनों सहित ग्रामीणों में हड़कम्प मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना कोतवाली क्षेत्र के टीसाखानापुर गांव की है। बुधवार सुबह नित्यक्रिया के लिए गये ग्रामीणों द्वारा गांव निवासी शोभनाथ (28) पुत्र राम स्वरूप का शव पेड़ से फांसी के फंदे से लटकता देखा गया। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंच गये। वहीं घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि मृतक शोभनाथ 2 दिन पूर्व दिल्ली से आया था।बीती शाम ससुराल से वापस लौटे युवक ने रात्रि में घर में ही भोजन किया। सुबह ग्रामीणों से जानकारी मिली कि उसने फांसी लगा ली। मामले में कोतवाल न न श्याम कुमार पाल ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

महिलाओं को घूरना भी एक अपराध है : एडीजे

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

शाहजहाँपुर। (जलालाबाद) राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ एवं जनपद न्यायाधी शभानुदेव शर्मा के निर्देशानुसार विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन वन स्टॉप सेंटर नवादा इंदेपुर शाहजहांपुर में ट्रांसजेंडर, समानता का अधिकार आदि विषय पर आयोजित किया गया शिविर की अध्यक्षता प्राधिकरण के सचिव पीयूष तिवारी ने की। सचिव ने महिलाओं के अधिकार, समानता का अधिकार विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को उनकी इच्छा के बगैर घूरना भी अपराध है। इसके साथ-साथ उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संबंधी योजनाओं पर प्रकाश डाला। निकेतन सिंह बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त किए गए। वरिष्ठ लिपिक मोहम्मद अफजल ने महिलाओं के अधिकार व 13 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी। परामर्शदाता श्रीमती प्रतिभा ने उपस्थित महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने महिलाओं में होने वाली महावारी सेनेटरी पैड आदि की जानकारी दी। शिविर का संचालन पैनल लॉयर गुलिस्ता खान ने किया। शिविर में पीएनबी श्रीमती गीतांजलि रितु वर्मा, अपर्णा व अधिक से अधिक संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। अंत में वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी श्रीमती नमिता यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हेल्थ वेलनेस सेंटर व गांवों में मलेरिया के प्रति लोगों को किया जागरूक

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

शाहजहाँपुर। (बंडा) विश्व मलेरिया दिवस पर ब्लाक बंडा के सीएचसी, पीएचसी, हेल्थ वेलनेस सेंटर व गांवों में मलेरिया के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ इससे बचाव के बारे में विस्तार से बताया। स्वास्थ्य केन्द्रों पर मलेरिया की जांच भी की गई। इस वर्ष विश्व मलेरिया दिवस का मकसद लोगों को मलेरिया से निपटने के लिए तैयार रहने के लिए जागरूक करना है। लोगों का समझाना है कि मच्छरजनित रोगों को हल्के में न लें बल्कि इसकी गंभीरता को समझें। चिकित्सा अधीक्षक बंडा डॉ वीके वर्मा ने बताया कि मलेरिया के पर जीवी का वाहक मादा एनोफ्लिेज मच्छर है। मलेरिया के लक्षण बुखार आना, सिर दर्द होना, उल्टी होना, मन काम चलना, ठंड लगना, चक्कर आना, थकान होना, पेट दर्द, तेज से सांस लेना आदि लक्षण हैं। मच्छरों से बचाव के लिए घरों के अंदर मच्छरों को मारने की दवा छिड़काव करें, मलेरिया का मच्छर साफ पानी में जल्दी पनपता है इसलिए सप्ताह में एक बार पानी से भरी टंकियां, मटके, कूलर आदि खाली कर के सुखा दें। जहां पानी एकत्रित होता है वहां मिट्टी का तेल या जला हुआ मोबिल आयल छिड़कें, खिड़कियों में जाली के साथ मच्छरदानी का प्रयोग करें। विश्व मलेरिया दिवस पर ब्लाक के समस्त हेल्थ वेलनेस सेंटरों पर सीएचओ विकास, पवनदीप, गीता, किरनजोत, मोना, शालिनी यादव, लक्ष्य, गुरपिंदर द्वारा गांव व स्कूल में लोगों को जागरूक किया गया। वहीं सीएचसी पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वीके वर्मा के दिशा निर्देशन में विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। एलटी तेजस्वी बाथम ने सभी को मलेरिया की जांच के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

भारतीय सवर्ण संघ के जिला प्रभारी अखिलेश मिश्र बनाये गए

संवाददाता, मीरजापुर। शहर के महुअरिया निवासी , पत्रकार अखिलेश मिश्र को भारतीय सवर्ण संघ के प्रदेश अध्यक्ष चमन शर्मा ने मीरजापुर जिले का प्रभारी नियुक्त किया है , भारतीय सवर्ण संघ के राष्ट्रीय सचिव साधु तिवारी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि अखिलेश मिश्र के मनोनयन से मीरजापुर जनपद में भारतीय सवर्ण संघ को मजबूती मिलेगी , भारतीय सवर्ण संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ठाकुर अवधेश सिंह, जिलाध्यक्ष ठाकुर रमेश सिंह, जिला महासचिव प्रतिस सिंह, नगर अध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी, अखिल भारतीय एकता परिषद के संरक्षक डॉ. एस .एन. पाठक ,मीरजापुर क्रिकेट एसोसिएशन के जिला सचिव विवेक दुबे , मेटल व्यवसायी अनिल गुप्ता , अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष चंद्रेश शुक्ला ने अखिलेश मिश्र को मिली नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दिया है ।

नगर आयुक्त ने मलटीलेवल स्मार्ट कार पार्किंग का किया निरीक्षण

संवाददाता, शाहजहाँपुर। नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा द्वारा नगर क्षेत्र के बिसरात रोड पर हनुमतधाम के पास निर्माणाधीन मलटीलेवल स्मार्ट कार पार्किंग का निरीक्षण किया। आमजन को नगर क्षेत्र में जाम की समस्या से राहत देने एवं जन-सामान्य की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये हनुमतधाम के पास मलटीलेवल स्मार्ट पार्किंग का निर्माण सी0एन0डी0एस0 जल निगम द्वारा कराया जा रहा है। निरीक्षण के समय निर्माण कार्य की प्रगति को देखा गया। निर्देशित किया गया कि मशहूर रेस्टोरेंट संचालकों से वार्ता कर उनके अनुरूप मल्टीलेवल कार पार्किंग के टॉप फ्लोर पर रेस्टोरेंट की कार्य कार्यवाही कराया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही निर्माण कार्य को शीघ्र ही पूर्ण किये जाने हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के समय मुख्य अभियंता सिविल एस0के0 अम्बेडकर, अधिशासी अभियंता आशीष त्रिवेदी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नगर वासियों का साथ मिला तो विकास की गंगा बहा दूंगा-सभासद प्रत्याशी नसीम अहमद

संवाददाता, सिद्धार्थनगर । नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रत्याशी अपने अपने क्षेत्र में जनता के बीच जा कर अपनी अपनी उपलब्धियां गिना रहे हैं। और अपने पक्ष में वोट देने की अपील कर रहे हैं । इसी कड़ी में वार्ड नंबर07 राम लखन नगर इटवा के निर्दलीय से सभासद प्रत्याशी नसीम अहमद भी अपने दर्जनों समर्थको के साथ जनता के बीच जाकर उनकी जनसमस्याओं को दूर करने का वादा करते हुए पूर्ण बहुमत से जीत दिलाने के लिए अपील कर रहे हैं।नसीम अहमद ने मीडिया को बताया कि इससे पहले भी में सडक बिजली पानी व हर समस्या का आवाज उठाते आया हूँ। अगर में चुनाव जीता हूँ तो जनता की निरंतर सेवा करता रहूँगा।उपस्थित संतोष गौतम,बिरजु यादव,सुनील कुमार, संजय कुमार, लालू यादव,आदि लोग मौजूद रहे।

भारतीय बौद्ध महासभा के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया

संवाददाता, सिद्धार्थनगर। इटवा तहसील क्षेत्र के ग्राम पिपरा में देर शाम मे भारतीय बौद्ध महासभा के तत्वावधान मे मृत्युभोज बहिष्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम मे सबसे पहले तथागत बुद्ध एवं डा.भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के उपरांत कपिलवस्तु के बौद्ध भिक्षु हर्षरक्षित व भंते आलोक प्रिय ने उपस्थित लोगो को बुद्ध वंदना, त्रिशरण पंचशील ग्रहण कराया। भारतीय बौद्ध महासभा के मंडल महासचिव केदारनाथ आजाद ने कहा तथागत बुद्ध और बाबा साहेब डा.भीमराव आंबेडकर सहित सभी महापुरुषों ने समाज मे प्रचलित कुप्रथाओं को समाप्त करने के लिए लगातार संघर्षरत रहे। इसी प्रकार मृत्युभोज भी समाज के लिए सामाजिक व आर्थिक अभिशाप है। हम सभी लोगो को जागरूक होकर इसे समाप्त करना होगा। जिलाध्यक्ष राम मिलन गौतम ने कहा बाबा साहेब डा.भीमराव आंबेडकर ने सर्वसमाज के उत्थान के लिए जीवन भर संघर्ष किए। उनके बताए मार्गो पर चलकर ही देश व समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। अध्यक्षता डा.जेपी बौद्ध व संचालन जय किशोर गौतम ने किया। इस दौरान राम बक्श गौतम, दुष्यंत बौद्ध,पन्नूराम, गंगाराम, चंद्रबहाल गौतम, चन्दभूषण आर्य, आरके निगम,सुभाष टाईगर, हरिश्चंद्र,.बहरैची प्रसाद प्रेमी, डा.शीश कुमार बौद्ध, राधेश्याम, सत्येंद्र यादव,संतोष आजाद, अभय बौद्ध, अनिल गौतम,कल्लू गौतम,ओमप्रकाश, सरोज कुमार,भीम प्रकाश,वृजमोहन,बजरंगी, परशुराम शास्त्री, दिनेश गौतम, धरुपराज, रवि, जयप्रकाश, पवन, हनुमान प्रसाद, राधेश्याम,सहित भारी संख्या मे महिलाएं एवं बच्चे मौजूद रहे।

अच्छे अंक पाकर चेहरे पर आई मुस्कान

संवाददाता, सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा हाईस्कूल व इण्टर मीडिएट बोर्ड परीक्षा में पंजीकृत छात्र छात्राओं ने उत्कृष्ट सफलता का परचम लहराते हुए अपने क्षेत्र परिवार व विद्यालय के प्रधानाचार्य का नाम रोशन किया है। कक्षा 10 की छात्रा शिवांगी पटेल 91 प्रतिशत अंक हासिल कर कोचिंग क्लासेज में प्रथम स्थान हासिल किया। शिवा कान्त-90.85 प्रतिशत, अंकित पाण्डेय 90 प्रतिशत , दिव्या पाण्डेय 90 प्रतिशत, शिवांगी पाठक 89प्रतिशत,इति अग्रहरी 88प्रतिशत, हर्षिता पांडेय 87.16प्रतिशत,शालनी अग्रहरी 86 प्रतिशत,जया अग्रहरी 85 प्रतिशत, उजाला अगहरी 81 प्रतिशत अंक हासिल किए। इस खुशी के मौके पर सनराइज कोचिंग क्लासेज के प्रबंधक आशीष श्रीवास्तव ने बच्चों को मिठाई खिलाकर उनका अभिवादन किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आज लोगों को सोच बदलने की जरूरत है बेटियां किसी से कम नहीं है।

बाल सुपोषण उत्सव में शामिल बच्चों ने किया सामूहिक भोज आयोजन

हर महीने मनाया जा रहा है सुपोषण उत्सव कार्यक्रम

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

मिर्जापुर। जिले के सभी 2668 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बाल सुपोषण उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों को सामूहिक रूप से एक स्थान पर बैठाकर पोष्टिक भोजन कराया गया। खाना कार्यक्रम में आने वाले बच्चों की माताएं अपने घरों से लेकर आयी हुयी थी। इसके साथ ही बच्चों की माताओं को सही पोषण के बारे में विस्तारपूर्वक बताया व समझाया गया। इसके अलावा उनको सुपोषण के प्रति प्रोत्साहित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी वाणी वर्मा ने बताया कि जनपद के सभी 2668 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर एक साथ बाल सुपोषण उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पोषण माह के अंतर्गत आयोजित सुपोषण उत्सव कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारियोंए मुख्य सेविकाओं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों को स्वादिष्ट भोजन कराने की सलाह व परामर्श देने का कार्य किया गया। बच्चों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित माताओं को बताया गया कि सर्वांगीण विकास में जीवन के पहले एक हजार दिनों का अत्यधिक महत्व होता है। इनमें गर्भ के दिन भी शामिल है। माताओं को बताया गया कि बच्चों को कुपोषण छह माह से दो वर्ष के मध्य ही अपनी चपेट में लेता है। इसका बड़ा कारण यह है कि केवल छह माह तक बच्चे को अपनी मां के दूध से जरूरत का पूर्ण आहार प्राप्त हो पाता है। छह माह के बाद जब बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास तेजी से होता है तो पोषण की जरूरत बढ़ जाती है। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि बच्चे को उपरी आहार दिया जाना जरूरी है। दिन में कितनी बार और कितनी मात्रा में ऊपरी आहार दिया जाना जरूरी है। इसकी भी जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस कार्यक्रम का एक मात्र उद्देश्य पूरक पोषाहार के उचित व्यवहार को बढ़ावा देना है।

मतदाता फोटो पहचान पत्र की पहचान स्थापित करने के लिये 12 फोटो पहचान पत्र मान्य

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

मिर्जापुर। जिला निर्वाचन अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट दिव्या मित्तल ने जानकारी देते हुये बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार 395-छानबे (अ0जा0) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रो के उप निर्वाचन के लिये दिनांक 10 मई 2023 को होने वाले मतदान में प्रतिरूपण को रोकने की दृष्टि से मतदान के समय मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिये अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा, परन्तु ऐसे मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नही कर पाते है, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिये वैकल्पिक रूप में कुल 12 फोटो पहचान दस्तावेजो में से कोई एक पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजो में आधार कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड, बैंकोध्डाकघरो द्वारा जारी किये गये फोटो युक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एन0पी0आर0 के अन्तर्गत आई0जी0आई0 द्वारा जारी किये गये स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र धाज्य सरकारध्लोक उपक्रमध्पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये गये फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदोंध्विधायकोध्विधान परिषद सदस्यो को जारी किये गये सरकार पहचान पत्र और यूनिक डिस्एबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार मान्य होगा। उन्होने यह भी बताया कि एपिक के सम्बन्ध में लेखन अशुद्धि, वर्तनी की अशुद्धि इत्यादि को नजरअंदाज कर देना चाहिये, बर्शते निर्वाचन की पहचान ईपीआईसी से सुनिश्चित की जा सकें। यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रदर्शित करता है, जो कि किसी अन्य सभा निर्वाचन क्षेत्र के रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी किया गया है, ऐसे एपिक भी पहचान स्थापित करने हेतु स्वीकृत किये जायेंगे, बशर्ते उस निर्वाचक का नाम, जहां वह मतदान करने आया है,

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

बहराइच। तहसील मोतीपुर (मिहीपुरवा) अंतर्गत डायोसोशियन सोशल वर्क सोसाइटी लखनऊ द्वारा कैरिटास ऑफइंडिया के सहयोग से संवाद परियोजना के अंतर्गत नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मिहीपुरवा के ग्राम पंचायत भगड़िया कालोनी, टेपरा, कमलापुरी, जनकपुर, नई आबादी और नौकापुरवा समेत छः गांव में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। स्वास्थ्य शिविर के संचालन के लिए डॉ0 पोलिना और श्रीमती एंजलिना (ए एन एम, सुपरवाइजर) को आमंत्रित किया गया।इस शिविर में गांव के लोगो को नि:शुल्क दवा देकर उपचार दिया गया। जिसमे विशेष रूप से खुजली, दाद, बुखार, खासी, पेचिश और लिकोरिया आदि बीमारियों से जूझ रहे लोगो का उपचार किया गया।एनीमिया से परेशान किशोरिओं और महिलाओं को आयरन और कैल्शियम शिरप दिया गया। बच्चो को अल्बेंडाजोल की दवा दी गई। ब्लड प्रेशर और पर्ल्स जांच भी की गई। हमारे क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाने से ये पता चला कि लोगो को टाइफाइड, खुजली, दाद, एनीमिया और लिकोरिया आदि से ग्रसित लोग ज्यादा है। इस स्वास्थ्य शिविर में लगभग 750 लोगो को नि:शुल्क दवा देकर उपचार किया गया।

10वीं में सोनी व 12वीं में शुभ बने टॉपर

बोर्ड के इतिहास में 100 साल में पहली बार 67 दिन में रिजल्ट जारी हुआ

संवाददाता, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (यूपी बोर्ड) ने मंगलवार को 10वीं और 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित किया। 10वीं में कुल 89.78 स्टूडेंट्स पास हुए। छात्रों का पासिंग परसेंट 86.64, जबकि छात्राओं का 93.34 रहा है। वहीं 12वीं का कुल रिजल्ट 75.52 रहा है। इसमें 69.34 छात्र और 83 छात्राएं पास हुई हैं। दोनों परीक्षाओं में कुल 432 छात्र टॉप-10 में शुमार रहे हैं। कशा 10वीं में सीतापुर की प्रियांशी सोनी ने टॉप किया। उन्होंने 600 में से 590 अंक हासिल किए। 12वीं में महोबा के शुभ छापरा ने टॉप किया। उन्होंने 500 में से 489 अंक हासिल किए। हाईस्कूल और इंटर दोनों ही परीक्षाओं में लड़कियों ने बाजी मारी है। दोनों परीक्षाओं के ओवरऑल एवरेज में लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से 10.18 ज्यादा रहा।

हाईस्कूल परीक्षा में टॉप-10 में 179 स्टूडेंट्स शामिल

10वीं का रिजल्ट विगत् वर्ष की तुलना में 1.57 ज्यादा रहा है। 2022 में 88.28 छात्र पास हुए थे।हाईस्कूल में 31,06,157 रेगुलर और 10297 प्राइवेट छात्र रजिस्टर्ड थे। इनमें 2565176 रेगुलर और 5811 प्राइवेट पास हुए हैं। छात्राओं का पासिंग परसेंट छात्रों से 6.7 ज्यादा रहा है। हाईस्कूल का ये रिजल्ट पिछले 10 सालों में सबसे अच्छा रहा है। हाईस्कूल के टॉप-10 में 179 बच्चों ने जगह बनाई है। टॉपर्स लिस्ट में कुशीनगर में आखिरी नंबर पर प्राची शाही है। उसने 600 में से 579 अंक हासिल किए हैं।10वीं में सबसे अच्छा रिजल्ट 94.41 के साथ कानपुर नगर का रहा। सबसे खराब प्रदर्शन सोनभद्र जिले का 77.82 के साथ रहा। अब अगर रिजल्ट की तुलना करें, तो 2023 में 89.85 परीक्षार्थी पास हुए, वहीं 2022 में 88.28 सफ ल हुए थे। इस तरह पिछले साल की तुलना में सिर्फ1.57 रिजल्ट बेहतर रहा। 12वी में छात्रों से 13.66 छात्राएं ज्यादा सफ ल 12वीं में का रिजल्ट पिछले साल की तुलना में 9.81 कम रहा है। 2022 में 12वीं का पासिंग प्रतिशत 85.33 था। इस साल परीक्षा में 19,41,717 परीक्षार्थी सफ्ल रहे। जोकि 75.52 रहा। इंटर में टॉप-10 में 253 छात्रों ने जगह बनाई है।

लिस्ट में आखिरी नाम कुशीनगर की निशा पटेल हैं। उन्होंने 500 में से 478 अंक हासिल किए हैं। इंटर के रिजल्ट में सबसे अच्छा प्रदर्शन अमरोहा का रहा। जबकि, सबसे कम बच्चे बलिया में पास हुए। बलिया में 56.08 स्टूडेंट्स पास हुए। प्रयागराज में शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) डॉ. महेंद्र देव ने रिजल्ट अनाउंस किया। उन्होंने बताया कि बोर्ड के इतिहास में 100 साल में पहली बार 67 दिन में रिजल्ट जारी हुआ है। बोर्ड ने 1923 में पहली बार परीक्षा आयोजित कराई थी। प्रयागराज में शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) डॉ. महेंद्र देव ने रिजल्ट अनाउंस किया। उन्होंने बताया कि बोर्ड के इतिहास में 100 साल में पहली बार 67 दिन में रिजल्ट जारी हुआ है। बोर्ड ने 1923 में पहली बार परीक्षा आयोजित कराई थी।

शुचि व श्रुति बनी कॉलेज टॉपर

संवाददाता, प्रयागराज। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कटरा का उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के द्वारा जारी यूपी बोर्ड परिणाम में हाईस्कूल का रिजल्ट 100 प्रतिशत एवं इंटरमीडिएट में 86 प्रतिशत रहा। जिसमे हाई स्कूल में शुचि शुक्ला ने 90.1 प्रतिशत से प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं श्रुति सिंह इंटरमीडिएट में 82 प्रतिशत प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्या शशिबाला चौधरी प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओ को माला पहना कर उनको मुंह मीठा करके बधाई एवं आशीर्वचन दिया साथ ही उन्नति और सफलता हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर बीना गौतम, मुदिता श्रीवास्तव, कुसुम कुमारी नित्या जायसवाल एवं समस्त विद्यालय परिवार ने बधाई दी।

अतीक-अशरफ की हत्या करने से पूर्व कुछ घंटे पहले बने थे पत्रकार तीनों शूटर

संवाददाता, प्रयागराज। बीते 15 अप्रैल को कालविन अस्पताल के बाहर माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफको मौत की नींद सुलाने वाले शूटरों ने हत्या से पहले महज कुछ घंटे पहले ही मीडिया कर्मियों का जामा प्रयागराज जंक्शन के सामने होटल स्टे-इन को ठिकाना बनाते वक्त किसी को मीडिया कर्मी होने की सूचना नहीं दी थी। इनके पास कैमरा-माइक आईडी और पहचान पत्र भी नहीं थे। आते-जाते भी इनके पास कभी कैमरा या माइक नहीं देखा गया। शक यही गहरा रहा है कि शूटरों के दो मददगारों ने ही वारदात से कुछ वक्त पहले ही इन्हें यह सब मुहैया कराया था। 13 अप्रैल की नाइट शिफ्ट में रहे होटल स्टे-इन के प्रबंधक अखिलेश सिंह ने शूटरों के बारे में पुलिस को अहम जानकारियां दी हैं। उन्होंने बताया है कि हत्या के समय अतीक पर विदेशी पिस्टल से गोलियों की बौछार करने वाले लवलेश तिवारी के गले में एनसीआर न्यूज का पहचान पत्र लटका हुआ था। उसके सहयोगी शूटरों सनी और अरुण के भी गले में पहचान पत्र की डोरी लटक रही थी। उनके पास इस न्यूज चौनल की माइक आईडी और कैमरा भी था, जो घटना स्थल पर टूट कर गिरा पाया गया। हालांकि, घटना के पहले तीन दिन तक होटल में ठहरने के दौरान इनके पास न कैमरा था, न माइक आईडी। होटल में आते-जाते किसी तरह का पहचान पत्र भी लटकाकर नहीं निकले। पुलिस अभिरक्षा में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफको कैमरे के सामने गोलियों से छलनी करने वाले शूटर लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्य को होटल स्टे-इन में ठहराने और माफिया भाइयों की रेकी कराने वाले मददगार कौन हैं? कितने हैं? इसका राज खुलना अभी बाकी है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच से इतना तो साफहुआ कि शूटरों को दो लोगों ने मदद पहुंचाई। इनमें से एक स्थानीय मददगार है, एक बाहरी। होटल प्रबंधक का कहना है कि बुकिंग के समय उन तीनों के बीच सिर्फ एक छोटा-सा पिट्ठू बैग था। हत्या के समय के वायरल वीडियो में अरुण मौर्य की पीठ पर भी एक छोटा बैग नजर आता है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शक यही है कि हत्या से कुछ समय पहले होटल स्टे-इन और कॉल्विन अस्पताल गेट के बीच ही किसी ने उन तीनों को पहचान पत्र, कैमरा और माइक आईडी उपलब्ध कराई थी।

बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण मेधावी छात्र छात्राओं का किया गया सम्मान

संवाददाता

कानपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज उत्तर प्रदेश द्वारा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें डॉ0 नरेंद्र एस0वी0एन0 इंटर कॉलेज पुराना शिवली रोड कल्याणपुर कानपुर के सभी छात्र / छात्राओं ने ससम्मान प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। हाईस्कूल में- 1. वैभव सिंह सेंगर (90.16 प्रतिशत) 2. नितिन तिवारी (88.83 प्रतिशत) 3. तनुषी तिवारी (88.66 प्रतिशत) 4. महक सिंह सेंगर (88.56 प्रतिशत) 5. प्रिया पाल (87 प्रतिशत) इंटरमीडिएट में - 1. यश प्रताप सिंह (89.60 प्रतिशत) 2.आकांक्षा पाल (88.99 प्रतिशत) 3. सुप्रिया तिवारी (87.60 प्रतिशत) 4.कार्तिकेय पाण्डेय (85.00 प्रतिशत) 5. दिव्या शाक्यवार (84.00 प्रतिशत) विद्यालय के प्रबंधक संजय कुमार जी ने मेधावी छात्र-छात्राओं को अपना आशीर्वचन प्रदान किया साथ ही जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय. प्रधानाचार्य वीरेंद्र बहादुर सिंह जी ने मेधावी छात्र-छात्राओं को अपने उद्बोधन से मार्गदर्शन किया। उन्हें बताया कि सफलता प्राप्त करके हमें कभी अपने लक्ष्य से भटकना नहीं चाहिए साथ ही असफल होने पर हमें कभी भी अपना मनोबल नहीं गिराना चाहिए।

इस अवसर पर विद्यालय के सभी अध्यापक/अध्यापिका सम्मानित अभिभावक, प्रबंधक संजय कुमार सिंह, प्रधानाचार्य वीरेंद्र बहादुर सिंह, उप-प्रधानाचार्या ब0 कल्पना सिंह कोऑर्डिनेटर श्रीमती सरिता सिंह अजय आदि लोग मौजूद रहे।

पार्टी नेतृत्व से नाराज उम्मीदवार नीलम हरी सिंह ने कराया निर्दलीय पद से नामांकन

संवाददाता

कानपुर। किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र से वार्ड संख्या 48, से भारतीय जनता पार्टी की प्रबल उम्मीदवार भाजपा महिला मोर्चा नेत्री श्रीमती नीलम हरी सिंह ने अपनी पार्टी के शीर्ष क्षेत्रीय नेतृत्व से वार्ड 48 पार्षद पद की टिकट न मिलने पर नाराज होकर उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नगर निगम मोतीझील में जाकर नामांकन कराया। भारतीय जनता पार्टी के बहुत पुराने और वरिष्ठ नेता पूर्व मंडल महामंत्री वार्ड 48 के हरी सिंह ने महिला सीट होने से अपनी पत्नी महिला मोर्चा नेत्री श्रीमती नीलम सिंह के लिए पार्टी के क्षेत्रीय नेतृत्व से पार्षद पद के लिए टिकट की मांग की थी। पिछले 20 वर्षों से इस सीट पर

कांग्रेस काबिज है इस वार्ड की जनता के लोकप्रिय नेता हरी सिंह हैं जिससे इनकी दावेदारी बहुत मजबूत थी। पार्टी नेतृत्व ने इस पर बिना कोई विचार किए पुन: इस सीट पर पिछली बार हारे प्रत्याशी देवेंद्र सब्बरवाल को टिकट दे दिया। जो कि इससे पहले कांग्रेस पार्टी में शामिल थे और दो बार चुनाव भी लड़ चुके हैं। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। जिसकी वजह से विगत कई वर्षों से भाजपा की सेवा में कार्यरत नेता ने पार्टी से विद्रोह कर अपनी पत्नी नीलम हरी सिंह को निर्दलीय प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा है। इस वार्ड संख्या 48 में इनकी लोकप्रियता के चलते जनता का समर्थन नीलम हरी सिंह के साथ है जिसकी वजह से भारतीय जनता पार्टी को इस सीट पर भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। नामांकन में नीलम हरी सिंह पति सहित क्षेत्र (वार्ड 48) के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सियासी दांव में फसा भाजपा का मोहरा

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव। उन्नाव जनपद के थाना गंगाघाट क्षेत्र का सर्वे करते हुए पाया गया की जहां एक ओर सभासद के चुनाव में भाईचारा जातिवाद के तहत नगर के मतदाता अपने वोटों का अधिकार करना चाह रहे हैं वही नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद के लिए सीधी लड़ाई भाजपा और बसपा के बीच में दिखाई देने लगी है क्योंकि भाजपा से कई दावेदार थे लेकिन योगी सरकार वह मोदी की रणनीति के तहत पिछले पालिकाध्यक्ष पर अपना अपना दांव लगाया लेकिन पालिका क्षेत्र में रहने वाले मतदाताओं पर भाजपा प्रत्याशी व पूर्व पालिका अध्यक्ष अपने वादे पर खरे नहीं उतरे जिसकी वजह से इनका व्यापक विरोध नजर आ रहा है साथ ही सपा से टिकट मांग रहे हैं वीरेंद्र शुक्ला कुट्टी करना मिलना इस सीट के लिए मुसीबत बन गया है वहीं दूसरी ओर सैनिक के मैदान में उतरने पर यह नुकसान भाजपा को ही भुगतना पड़ेगा कांग्रेस के नगर अध्यक्ष दीपनारायन शुक्ला की पत्नी गीता शुक्ला चुनाव मैदान में जोर आजमाइश संघर्ष में भाजपा की जड़े कमजोर करने में लगे हुए हैं साथ ही भाजपा की प्रबल दावेदार अभिलाषा मिश्रा जो पूर्व सभासद थी उन्होंने भी भाजपा में दावेदारी की थी परंतु जिले के विधायक और सांसद ने अपने चहेते पूर्व पालिका अध्यक्ष के देवर गोल्डी गुप्ता पर दांव लगाया इसके पीछे का भी राज है कि इन 1 सालों में पालिका नींद में आई हुई विकास कार्य की निधि का जमकर इस्तेमाल किया गया इसमें सदर विधायक की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है यह हमारी निजी राय नहीं है क्षेत्र की जनता का दर्द है दीप नारायण की पत्नी गीता शुक्ला चुनाव मैदान में इसका भी नुकसान भाजपा को ही करना पड़ेगा वही दिल्ली और पंजाब में सरकार बनाने वाली पार्टी केजरीवाल की झाड़ू मैदान में यह भी प्रत्याशी ब्राहमण बिरादरी से सीधे होने के कारण लड़ाई अब बहुजन समाज पार्टी व भारतीय जनता पार्टी के बीच में सिमटकर देख रहे हैं अंतिमय में किस के सर पर ताज हो जिसके चलते सीधी-साधी जनता को जवाब देना होगा।

कांग्रेस के कब्जे से सीट निकालने की भरी हुंकार

संवाददाता

कानपुर। गोबिन्द नगर दक्षिण की सीट वार्ड 48 पर पिछले कई वर्षों से कांग्रेस काबिज चली आ रही है।यह सीट अपने कब्जे में लेने के लिए भाजपा अबकी बार कोई कोर-कसर नही छोडना चाहती। मंगलवार को भाजपाईयो ने संघ के वरिष्ठ लोगों के साथ बैठक कर इस पर घंटों मंथन किया। गोबिन्द नगर ऐफ ब्लाक मे मंगलवार दोपहर हुई बैठक में कहा गया कि जिस तरह हमने काफी वर्षों बाद किदवई नगर विधानसभा सीट पर कब्जा किया उसी तरह हमें गोबिन्द नगर दक्षिण वार्ड 48 की सीट पर भी इस मर्तबा हर कीमत पर काबिज होना है।

निकाय चुनाव में गोबिन्द नगर दक्षिण के इस वार्ड में जीत के लिए घर-घर जाकर संपर्क करने की रणनीति बनाई गई साथ ही महिलाओं एवं युवाओं की टोलियां अलग से रोजाना सुबह व शाम मतदाताओं से संपर्क कर अपनी ताकत चुनाव को उठाने में झोकेंगी। बैठक में कहा गया कि इस वार्ड को जीतने के लिए ही संगठन ने पुराने व मंझे हुए पूर्व पार्षद की पूर्व पार्षद पत्नी रेनू सब्बरवाल को चुनावी मैदान में उतारा है।बैठक में अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंच बनाने के लिए दो-दो चुनावी वार्ड कार्यालय खोलने की सहमति बनी। मतदाताओं से संपर्क के दौरान केन्द्र ,राज्य एवं नगर निगम के अलावा वार्ड में विधायक महेश त्रिवेदी के सहयोग से भाजपाइयों द्वारा अपने स्तर से कराए गए विकास कार्यों को भी मतदाताओं के समक्ष रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में कानपुर-बुंदेलखंड भाजयुमो के पू.अध्यक्ष विकास दुबे, सुनील नारंग, प्रकाश वीर आर्य, अनिल त्रिपाठी, सी.पी. पाण्डेय, गौरव तिवारी, विपुल त्रिवेदी, अनुराग अग्निहोत्री, जसपाल भगत, मनोज पाल आदि रहे।

श्यामनगर रेलवे फाटक के रास्ते को खुलवाने के लिए भाकियू अराजनीतिक का धरना

संवाददाता, हापुड़। जनपद हापुड़ के ब्रह्मादेवी स्कूल से श्यामनगर रेलवे फाटक फाटक न0 76 सी वाले रास्ते पर रेलवे विभाग ने जबरन पिलर गाड़कर रास्ता बन्द कर दिया गया था जिसके लिये भारतीय किसान युनियन अराजनीतिक ने धरना प्रदर्शन किया था उस समय रेलवे विभाग के अधिकारी व सदर हापुड़ एसडीएम ने वहाँ पहुँच कर गाडर हटवाने का आश्वासन दिया था आज रेलवे विभाग ने नाप करवाकर जेसीबी से गाडर उखाड़ कर रास्ता साफकर दिया ओर रास्ता चालू करवा दिया गया है भारतीय किसान युनियन अराजनीतिक के नगर अध्यक्ष राजबीर भाटी ने कहा की इस रास्ते के बन्द होने से स्कूल जाने वाले बच्चे किसान व आम लोग बहुत परेशान थे आज रास्ता खुलने से सभी को फायदा होगा रेलवे के अधिकारियों के साथ साथ राजबीर भाटी , राजेंद्र डागर ,हेमसिह प्रधान,सियाननद त्यागी मोनू त्यागी,अनिल अधाना, मिनटू,सतीश बालमिक,पुष्पेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहेजमीन आ गए।

वार्ड 56 से सपा युवा पार्षद प्रत्याशी क्षेत्र का कराएंगे चौमुखी विकास

संवाददाता, कानपुर। कानपुर नगर निगम चुनाव का बिगुल बजने के बाद सभी नगर निगम पार्षद प्रत्याशी अपने अपने क्षेत्र की जनता से कई वादे कर रहे हैं और चुनाव जीतने के बाद जनता की सभी समस्याओं का निराकरण करेंगे ऐसे ही वार्ड 56 से युवा प्रत्याशी समाजवादी पार्टी का चेहरा जावेद हसन ने चुनावी मैदान में हाथ आजमाया है उन्होंने बताया कि अपने वरिष्ठ नेता हमारे मार्गदर्शक सपा विधायक अमिताभ बाजपाई के आशीर्वाद से चुनावी मैदान में उतरा हूं और मुझे पूरा विश्वास है अपने क्षेत्र की जनता पर अपना आशीर्वाद हमारे ऊपर बनाएगी और चुनाव जीतने के बाद क्षेत्र की गंभीर समस्याओं से निजात दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी युवा होने के नाते युवाओं का भी मुझको पूरा ध्यान रखना है और उनके लिए कई प्रस्ताव बना रखे हैं जिनको पूरा कराने का संकल्प लिया है लोगों को विश्वास दिलाता हूं आपका आशीर्वाद मिला तो शहर के साथ आपके क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं होगी क्योंकि समाजवादी पार्टी ने महापौर पद से महिला उम्मीदवार घोषित किया है इसलिए जनता से अनुरोध है कि अपना अमूल्य वोट सच्चे और ईमानदार प्रत्याशी को ही दें और अपने शहर को स्वच्छ भयमुक्त वातावरण माहौल बनाने में अपना पूरा योगदान दें.

विश्व मलेरिया दिवस पर मच्छर जनित रोगों से बचाव की दी जानकारी

संवाददाता, प्रयागराज। करैली के नाज मल्टिस्पेशियलीटी हास्पिटल मैक्स चिल्ड्रेन व आई हास्पिटल में विश्व मलेरिया दिवस पर जहां विशेष सफाई अभियान चलाया गया। वहीं हास्पिटल में आने वाले मरीजों व तीमारदारों को मच्छर जनित रोगों को कैसे रोका जाए और क्या उपाय किया जाए इसकी जानकारी दी गई। हास्पिटल संचालक अमित यादव ने विश्व मलेरिया दिवस पर नाज मल्टिस्पेशियलीटी हास्पिटल , मैक्स चिल्ड्रेन व आई हास्पिटल सहित अन्य शाखाओं में सफाई कर्मचारियों से विशेष सफाई अभियान चलवाया। वहीं डॉ नाज फात्मा , डॉ. काशिफ सिद्दीकी, डॉ ईशान जैदी, डॉ हरदीप कौर, डॉ जमशेद अली, डॉ अभिषेक कनौजिया डॉ आरिफ ने अपने अपने चौम्बर में मरीजों को मच्छर जनित रोगों के फैलाव को रोकने के लिए घरों में रखे कूलर, गमले में लगे पेड़ पौधे के आस पास मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के उपाय बताए। डॉ. नाज फात्मा ने बताया की मच्छर के लार्वा से मलेरिया के लक्षण जैसे ही नजर आएं तुरंत अपने डाक्टर से परामर्श करें और जांच कराकर समय पर इलाज कर इस गम्भीर बिमारी से बचें। मैनेजर सैय्यद मोहम्मद अस्करी, तुफैल अहमद, रामिश रहमान, शीरीन फात्मा, अर्शिया जावेद, मुस्कान, फरीन, जारा, नीता साहू, सोम समेत अन्य स्टाफएवं नर्सेज शामिल रहे ।

अशरफ के पत्र ने साबित किया अतीक का आईएसआई कनेक्शन

संवाददाता, प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफका पाकिस्तान के आईएसआई कनेक्शन होने सम्बन्धित एक पत्र मिलने से उन तमाम बातों को बल मिलता है जिसमें कहा जा रहा था कि अतीक व उसका परिवार आतंक विरोधी गतिविधियों में शामिल है। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफका आईएसआई से कनेक्शन होने की बात खुलकर सामने आ रही है। पुलिस ने अनुसार अतीक ने कस्टडी में आइएसआइ से कनेक्शन की बात कबूल की थी। पुलिस के दावों को साबित करता एक पत्र मिला है, जो अतीक और अशरफके आतंक कनेक्शन को पुख्ता करता है। जनवरी 2017 में माफिया के भाई अशरफने पासपोर्ट अधिकारी को पत्र लिखकर अपने गुर्गे जीशान कमर का पासपोर्ट बनाने का अनुमोदन की बात लिखी थी। पत्र में पूर्व विधायक खालिद अजीम अशरफने पासपोर्ट अधिकारी को कहा है कि मैं खालिद अजीम अशरफइस बात से आपको अवगत कराता हूँ की जीशान कमर जो कि प्रयागराज करेली के रहने वाले हैं वो पिछले कई सालों से मेरे यहाँ काम करते हैं और मेरे इनके साथ घर जैसे ताल्लुक हैं। इसलिये जल्द से जल्द इनका पासपोर्ट पूरा करवाए। इन्हें अपने काम के सिलसिले में विदेश की यात्रा करनी है। जीशान को पाकिस्तान में हथियार चलाने और प्रयागराज में रहकर आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए ट्रेनिंग दी गई थी। ट्रेनिंग के बाद वह कुछ साथियों के साथ लखनऊ के रास्ते हथियारों को प्रयागराज ले आया और नैनी स्थित पोल्ट्री फार्म में छिपा दिया था। वह ऑनलाइन खजूर बेचने के बहाने आतंकी गतिविधियों को संचालित कर रहा था।

अतीक के खंडहर कार्यालय पर पुलिस का पहरा

संवाददाता, प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के चकिया स्थित खंडहर कार्यालय चाकू व खून से सने कपड़े मिलने के बाद मंगलवार को भी एक खबर ने पुलिस महकमें में हलचल पैदा कर दिया। जानकारी मिलने पर भारी फोर्स मौके पर पहुँची। जहां ज्ञात हुआ कि कार्यालय परिसर में बदबू उठ रही है। लोगों को शक हुआ कि किसी प्रकार का कोई शव तो नहीं है, जिससे दुर्गंध उठ रही है। बाद में पुलिस ने छानबीन शुरू किया तो ऐसा कुछ भी नहीं मिला। जिसके बाद पर आईजी रमित शर्मा ने स्पष्टीकरण दिया कि बदबू का कारण कुछ और है। अपील किया कि मीडिया खुद न करे किसी प्रकार का कोई बयान जारी। हम छानबीन कर रहे हैं, किसी भी प्रकार का कुछ खुलासा होगा तो हम मीडिया से जरूर शेयर करेंगे। कहा कि बयानबाजी पर संयम रखें। उन्होंने सोमवार को मिले खून के छींटे व कपड़ों को लेकर कहा कि एसएफएल डायरेक्टर की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। यह तो स्पष्ट है यहां पर मिले खून जरूर हैं लेकिन किसका है यह जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगा। हालांकि अतीक के कार्यालय को बैरिकेडिंग कर दिया गया है। फोर्स भी तैनात कर दी गयी है। सीसीटीवी फुटेज को देखने के बाद पुलिस ने कहा है कि ऐसा कोई संदिग्ध नहीं दिख रहा है।

भाइयों के बीच झगडा-शांत कराने पहुंचे बाबा की गई जान

संवाददाता, कन्नौज। जिले के एक गांव के रहने वाले 2 भाइयों में बीती रात जमीन को लेकर झगडा हो रहा था। दोनों के बीच गाली-गलौज के बाद मारपीट होने लगी। ऐसे में उनका झगडा शांत कराने पहुंचे बाबा के सिर में डंडा लग गया। जिससे वह लहुलुहान होकर जमीन पर गिर पडे और उनकी मौत हो गई। पुलिस ने झगडा कर रहे दोनों भाइयों को अरेस्ट कर घटना की जांच शुरू कर दी। मामला तिर्वा कोतवाली क्षेत्र के श्यामपुर गांव का है। जहां के रहने वाले रघुवीर के 2 बेटों अनिल और जितेन्द्र के बीच बीती रात जमीन को लेकर झगडा हो गया। दोनों में गाली-गलौज और मारपीट होती देख उनके 95 वर्षीय बाबा बच्चनलाल बीच-बचाव कराने पहुंच गए। इस बीच उनके सिर में डंडा लग गया। जिससे वह लहुलुहान होकर जमीन पर गिर पडे।

बीते नौ साल में देश में दिए गए 17 करोड नए एलपीजी कनेक्शन

एजेंसी, नयी दिल्ली । देश में बीते नौ वर्षों में रिकॉर्ड 17 करोड नए एलपीजी (रसोई गैस) कनेक्शन दिए गए हैं। इसके साथ ही देश में रसोई गैस उपभोक्ताओं की संख्या दोगुना होकर 31.26 करोड हो गई है। अब देश के लाखों परिवारों में स्वच्छ ईंधन का उपयोग होने लगा है। जारी आधिकारिक आंकडों में बताया गया कि सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या अप्रैल, 2014 में 14.52 करोड थी, जो मार्च, 2023 में बढकर 31.36 हो गई। उपभोक्ताओं की संख्या में यह उल्लेखनीय वृद्धि मुख्य रूप से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) की वजह से है। इस योजना के चलते एलपीजी का दायरा 2016 के 62 प्रतिशत से बढकर 2022 में 104.1 प्रतिशत हो गया। एक समय था जब नए

एलपीजी कनेक्शन के लिए इंतजार करना पडता था, एलपीजी सिलेंडर सात से दस दिन में मिलता था। वहीं अब रसोई गैस का कनेक्शन जब जरूरत हो तब मिल जाता है तथा ज्यादातर स्थानों पर सिलेंडर भी एक दिन के भीतर आ जाता है। ऐसे उपभोक्ता जिनकी जरूरत कम है या खरीद क्षमता कमजोर है उनके लिए सरकारी विक्रेताओं ने पांच किलोग्राम का सिलेंडर भी उतारा है, जो परंपरागत 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर से अतिरिक्त है। हर गरीब परिवार को रसोई गैस का निरूशुल्क कनेक्शन देने के लक्ष्य के साथ पीएमयूवाई की शुरुआत एक मई, 2016 को हुई थी और 30 जनवरी, 2023 तक इस योजना के तहत जारी कनेक्शन की संख्या 9.58 करोड पर पहुंच गई।

ब्रिटेन के डिप्टी पीएम डोमिनिक राब ने दिया इस्तीफा, धमकाने के लगे थे आरोप

एजेंसी,लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के करीबी सहयोगी और उप प्रधानमंत्री डोमिनिक राब ने इन आरोपों के बीच इस्तीफा दे दिया कि वह ब्रिटिश सरकार के विभिन्न विभागों में काम करते हुए कर्मचारियों पर धौंस दिखाते थे। विभिन्न लोक सेवकों ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाये थे और इस मामले में स्वतंत्र रिपोर्ट सुनक को सौंप दी गयी है। ब्रिटेन के न्याय मंत्री राब पर तभी से फै सले को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। राब (49) ने ट्विटर पर अपना इस्तीफा साझा किया और कहा कि उनके आचरण संबंधी रिपोर्ट में उनके खिलाफ दो दावों को कायम रखा गया है। हालांकि, राब ने उन्हें त्रुटिपूर्ण बताया और कहा, ''मैं जांच रिपोर्ट को स्वीकार करने को बाध्य हूं, लेकिन इसमें मेरे खिलाफ दो दावों को छोडकर बाकी को खारिज कर दिया गया है। उन्होंने कहा,

''मेरा यह भी मानना है कि दोनों प्रतिकूल निष्कर्ष भी त्रुटिपूर्ण हैं और अच्छी सरकार के आचरण के मामले में खतरनाक मिसाल पेश करते हैं। एलन मस्क के मालिकाना हक वाले सोशल मीडिया मंच ट्विटर ने मशहूर गायिका बियॉन्से, पोप फ्रांसिस, टेलीविजन प्रस्तोता ओपरा विन्फे और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसी जानी-मानी हस्तियों के 'ब्लू टिक हटा दिए हैं। ट्विटर ने वीरवार से उन लोगों के... सैन फ्रांसिस्कोरू एलन मस्क के मालिकाना हक वाले सोशल मीडिया मंच ट्विटर ने मशहूर गायिका बियॉन्से, पोप फ्रांसिस, टेलीविजन प्रस्तोता ओपरा विन्फे और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसी जानी-मानी हस्तियों के 'ब्लू टिकश् हटा दिए हैं। ट्विटर ने वीरवार से उन लोगों के 'ब्लू टिक हटाने शुरू कर दिए हैं जिन्होंने इसके लिए मासिक शुल्क का भुगतान नहीं किया है। ट्विटर के करीब 3,00,000 सत्यापित उपयोगकर्ता हैं जिनमें से कई पत्रकार, एथलीट और जानी-मानी हस्तियां हैं। इन उपयोगकर्ताओं के प्रोफाइल से 'ब्लू टिक दिखना बंद हो गए हैं। 'ब्लू टिक का मतलब किसी शख्सियत के सत्यापित ट्विटर खाते से होता है। ट्विटर का इस्तेमाल करने वाले किसी व्यक्ति के लिए ब्लू टिक का शुल्क प्रति माह आठ डॉलर और किसी संगठन के लिए प्रति माह 1,000 डॉलर से शुरू है। ट्विटर अब बिना शुल्क लिए किसी व्यक्ति या संगठन का खाता सत्यापित नहीं करता है। बास्केटबॉल खिलाडी लेब्रॉन जेम्स से लेकर लेखक स्टीफन किंग और स्टार ट्रेक के कलाकार विलियम शैटनर ने ब्लू टिक के लिए भुगतान करने से इनकार कर दिया था। हालांकि, बृहस्पतिवार को इन तीनों के खातों पर ब्लू टिक था। किंग ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया, मेरा ट्विटर खाता कहता है कि मैंने ब्लू टिक खरीदा है, लेकिन मैंने नहीं खरीदा। किंग के ट्वीट के जवाब में मस्क ने कहा, ''आपका स्वागत है नमस्ते। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि वह ''चुनिंदा लोगों के लिए निजी रूप से भुगतान कर रहे हैं। जिन उपयोगकर्ताओं के पास वीरवर को भी ब्लू टिक था उनके पास एक संदेश आया कि उनका अकाउंट ''वेरीफाइड है क्योंकि उन्होंने ट्विटर ब्लू टिक खरीदा है और अपना फोन नंबर सत्यापित किया है। केवल जानी-मानी हस्तियों और पत्रकारों ने ही नहीं, बल्कि दुनियाभर की कई सरकारी एजेंसियों, गैर लाभकारी संगठनां और सार्वजनिक सेवा क्षेत्र के खातों ने वीरवार को ब्लू टिक गंवा दिया जिससे यह चिंता पैदा हो गयी है कि ट्विटर विश्वसनीय स्रोतों से सटीक, ताजा जानकारी देने वाले एक मंच का दर्जा खो सकता है। गौरतलब है कि अक्टूबर में सैन फ्रांसिस्को स्थित ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदने के बाद मस्क इस माइक्रोब्लॉगिंग साइट का राजस्व बढाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्विटर ने करीब 14 साल पहले 'ब्लू टिक देना शुरू किया था ताकि मशहूर हस्तियों को बहरूपियों से बचाया जा सके।

भारत-अमेरिका के बीच एक प्रमुख रक्षा सहयोग पर काम जारी अमेरिकी अधिकारी

एजेंसी, वाशिंगटन। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के लिए अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत को अत्याधुनिक आधुनिक रक्षा उपकरण बनाने में सक्षम बनाने के लिए भारत-अमेरिका के बीच एक प्रमुख द्विपक्षीय रक्षा... वाशिंगटन, दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के लिए अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत को अत्याधुनिक आधुनिक रक्षा उपकरण बनाने में सक्षम बनाने के लिए भारत-अमेरिका के बीच एक प्रमुख द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर काम चल रहा है और उम्मीद है कि अगले कुछ महीने में इस संबंध में घोषणा की जाएगी। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, '' मुझे लगता है कि यह भारत के लिए अपनी

जरूरतों के वास्ते विश्व स्तरीय रक्षा उपकरण का उत्पादन करने और दुनिया का एक निर्यातक बनने के मकसद के लिए बेहद सही है।'' हालांकि, विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने भारत में आधुनिक और परिष्कृत रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए प्रमुख रक्षा सहयोग के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा, '' हम पहले से ही रक्षा क्षेत्र में प्रमुख भागीदार हैं। पिछले 20 वर्षों में हमारा 20 अरब डॉलर से अधिक का रक्षा व्यापार हुआ है। मैं जानता हूं कि हमारी निजी कंपनियां और हमारी सरकारें, हमारे रक्षा मंत्रालय लगातार संपर्क में हैं और इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि हम कैसे सहयोग बढा सकते हैं।'' लू हालांकि रक्षा सहयोग के संबंध में कोई ब्योरा देने से बचते नजर आए। उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि मैं इस पर इतनी ही जानकारी दे सकता हूं। हालांकि यह रोमांचक होगा और मुझे उम्मीद है कि साल के अंत तक हम उन विशिष्ट रक्षा सहयोग मदों के बारे में अधिक विस्तृत तरीके से चर्चा करेंगे।'' भारतीय दूतावास के एक तथ्य पत्र के अनुसार, सहयोग ''भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग के लिए नई रूपरेखा'' पर आधारित है, जिसे 2015 में 10 वर्ष के लिए नवीनीकृत किया गया था। लू ने रूस और यूक्रेन युद्ध के भारत-अमेरिका संबंधों पर असर को लेकर कहा कि युद्ध ने ''इसे तोडने के बजाय भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया है।'' उन्होंने कहा कि रूस के साथ अपने पुराने संबंधों के कारण भारत रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से युद्ध समाप्त करने का आग्रह करने की अनूठी स्थिति में हैं।

चीन के भारत के साथ वार्ता को गंभीरता लेने के कुछ खास संकेत नजर नहीं आते : अमेरिका

एजेंसी, वाशिंगटन। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के लिए अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत और चीन के बीच बातचीत के जरिए सीमा विवाद के समाधान का समर्थन करने की बात दोहराते हुए कहा कि अमेरिका को इस बात के बेहद कम संकेत दिखते हैं कि चीन इन वार्ताओं को सही मंशा और गंभीरता से ले रहा है। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने एक साक्षात्कार में कहा,'' चीन के साथ भारत के सीमा विवाद पर हमारा रुख पहले जैसा ही है। हम दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत के जरिए सीमा विवाद के समाधान का समर्थन करते हैं।'' लू ने कहा,' इसके बावजूद हमें इस बात के बेहद कम संकेत मिले हैं कि चीन सरकार सही मंशा से इन वार्ताओं को गंभीरता से ले रही है। हम जो देखते हैं वह इसके विपरीत है। हम नियमित रूप से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाली उकसावे की घटनाओं को देख रहे हैं।'' विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत चीन की चुनौती के मद्देजनर अमेरिका के अपने साथ खडे होने की उम्मीद कर सकता है। उन्होंने कहा,'' हमने गलवान संकट के दौरान 2020 में उस संकल्प को दर्शाया और हम भारत के साथ सूचना साझा करने के अलावा सैन्य उपकरणों एवं अभ्यासों पर भी सहयोग के अवसर तलाशते रहे हैं।

ट्विटर ने सभी न्यूज मीडिया अकाउंट से 'सरकार-संबद्ध लेबल हटाए

एजेंसी, मॉस्को। माइक्रो ब्लॉगिंग साइट 'ट्विटर ने संपादकीय सामग्री में सरकार की भागीदारी वाले सभी समाचार मीडिया अकाउंट से 'सरकार-संबद्ध और 'सरकार-वित्त पोषित लेबल हटा दिये। ट्विटर ने आरआईए नोवोस्ती, बीबीसी, एबीसी न्यूज, एसबीएस न्यूज और सीबीसी न्यूज समेत सभी समाचार मीडिया अकाउंट के साथ टैग किये गये लेबल हटा दिये। ट्विटर प्रबंधन ने वर्ष 2020 में बताया था कि उसने उन मीडिया पेज को टैग करना शुरू कर दिया था, जिनके बारे में यह माना जाता था कि वे सरकार के नियंत्रण में थे। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों, विदेश मंत्रियों, राजदूतों सहित प्रमुख सरकारी अधिकारियों, आधिकारिक प्रतिनिधि और प्रमुख राजनयिकों के अकाउंट को भी टैग करने का निर्णय लिया गया था। गौरतलब है कि कुछ समय पहले तक आम तौर पर गैर-पश्चिमी देशों में सरकारी मीडिया आउटलेट के ट्विटर अकाउंट पर लेबल लगाया जाता था, जिन पर संपादकीय स्वतंत्रता की कमी के आरोप लगते रहते थे।

2023 की पहली तिमाही में तोड़ डाले बिक्री के रिकॉर्ड

एजेंसी, नयी दिल्ली। फिनलैंड की मोबाइल फोन कंपनी नोकिया की 2023 की पहली तिमाही में कुल बिक्री 10 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 5.85 अरब यूरो रही है। इस दौरान कंपनी का भारत में कारोबार लगभग चार गुना हो गया है। भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में नोकिया के कारोबार चमक रहा है। कंपनी की वैश्विक बिक्री मार्च, 2022 की तिमाही में 5.34 अरब यूरो रही थी। नोकिया ने अपनी आय रिपोर्ट में बताया, नेटवर्क ढांचा और मोबाइल नेटवर्क, दोनों ने 13-13 प्रतिशत वृद्धि की। नेटवर्क ढांचे में ऑप्टिकल नेटवर्क और आईपी नेटवर्क सबसे आगे रहे, जो देश में लगातार बढ़ती 5जी सेवाओं को दिखाता है। भारत में बिक्री बढ़ने के साथ कंपनी ने उत्तरी अमेरिका और अन्य स्थानों पर खर्च कम किया है। देश में तेजी से फै लते 5जी नेटवर्क के कारण नोकिया इंडिया की बिक्री मार्च, 2022 तिमाही के 20 करोड़ यूरो से लगभग चार गुना होकर 85.3 करोड़ यूरो हो गई। नोकिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पेक्का लुंडमार्क ने रिपोर्ट में कहा, मोबाइल नेटवर्क की शुद्ध बिक्री में 13 प्रतिशत (स्थिर मुद्रा के आधार पर) की वृद्धि हुई क्योंकि भारत में 5जी का विस्तार उत्तरी अमेरिका के खर्च में मंदी की भरपाई से कहीं अधिक हुआ।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पहल को लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार मिला

एजेंसी, नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोक प्रशासन में उत्कृष्टता लाने के लिए पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पहल को पुरस्कार दिया। इस पहल की शुरुआत अक्टूबर 2021 में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के नियोजित विकास के लिए की गई थी, ताकि लॉजिस्टिक लागत को कम किया जा सके। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अनुराग जैन ने 16वें सिविल सेवा दिवस पर लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार-2022 प्राप्त किया। इस मौके पर मोदी ने कहा, पीएम गति शक्ति का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। इससे लोगों की जरूरतों को पहचानने और आने वाली मुश्किलों को दूर करने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे विभागों के बीच जिला और ब्लाक स्तर पर संवाद करना आसान होगा।

कोका-कोला का केरल सरकार को 35 एकड जमीन लौटाने का प्रस्ताव

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम। बहुराष्ट्रीय पेय कंपनी कोका कोला ने केरल सरकार को पलक्कड जिले में स्थित अपनी 35 एकड जमीन वापस करने की पेशकश की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि हिंदुस्तान कोका कोला बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जुआन पाब्लो रोड्रिग्ज ट्रोवेटो ने उक्त जानकारी दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को पत्र लिखकर बताया कि कंपनी ने जमीन और वहां की इमारत राज्य सरकार को सौंपने का फै सला किया है। सत्तारूढ वाम मोर्चे ने पहले ही किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को जमीन देने के लिए बातचीत शुरू कर दी है। एफपीओ का संचालन किसान करेंगे। बिजली मंत्री के कृष्णनकुट्टी की अगुवाई में हुई बातचीत के बाद कोका-कोला आखिरकार जमीन देने को तैयार हो गई। स्थानीय लोगों ने संयंत्र को लेकर पर्यावरण प्रदूषण और भूजल के दोहन की शिकायत की थी, जिसके बाद कोका-कोला ने मार्च 2004 में पलक्कड जिले के प्लाचीमाडा में स्थित अपनी इकाई को बंद कर दिया था।

देश में प्रमुख बंदरगाहों ने 2022-23 में रिकॉर्ड 79.5 करोड टन माल संभाला

एजेंसी, नयी दिल्ली। देश के प्रमुख बंदरगाहों ने 2022-23 में 79.5 करोड टन माल संभाला, जो अब तक का सर्वाधिक है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में सचिव सुधांश पंत ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लगभग 5,000 करोड रुपए के लेनदेन के साथ पोत परिवहन मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए तय 3,700 करोड रुपए मूल्य की संपत्ति को बाजार पर चढाने (मौद्रिकरण) के लक्ष्य को पार कर लिया है। पंत ने यह भी कहा कि अगले सप्ताह बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भारत के बंदरगाहों को हरा-भरा बनाने के लिए श्हरित बंदरगाह की शुरुआत करेंगे। पंत ने कहा, हमारे प्रमुख बंदरगाहों ने बीते वित्त वर्ष में अब तक सर्वाधिक 79.5 करोड टन माल को संभाला है। यह पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है।

फिजिक्सवाला करेगी एक करोड डॉलर का निवेश

एजेंसी, मुंबई । ऑनलाइन शिक्षा-प्रौद्योगिकीकंपनी फिजिक्स वाला की अपने स्कूल-एकीकृत कार्यक्रम 'विद्यापीठ स्कूल में चरणबद्ध तरीके से एक करोड डॉलर (लगभग 82 करोड रुपए) निवेश करने की योजना है। अभी यह कार्यक्रम 39 स्कूलों में चल रहा है। फिजिक्सवाला के उपाध्यक्ष इमरान राशिद ने बताया, ''विद्यापीठ स्कूल सेंटर एक स्कूल-एकीकृत कार्यक्रम है। इसमें सीबीएसई परीक्षा, जेईई और नीट की तैयारी के लिए आवश्यक अवधारणाओं और कौशल को नियमित कक्षा निर्देशों में शामिल किया गया है। इससे छात्रों को अलग से कोचिंग लेने की जरूरत नहीं पडती। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, असम, झारखंड, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश,

राजस्थान और हरियाणा समेत देश के दस राज्यों के 34 जिलों के 39 स्कूलों में चलाया जा रहा है। राशिद ने कहा, ''हमारी योजना चरणबद्ध तरीके से एक करोड डॉलर निवेश करने की है जिसमें से 50 लाख डॉलर का उपयोग स्कूलों में बुनियादी ढांचा विकास में और बाकी के 50 लाख डॉलर का इस्तेमाल उत्तम श्रेणी की सामग्री तैयार करने में किया जाएगा। कंपनी की योजना 2025-26 तक 300 स्कूलों में विद्यापीठ कार्यक्रम शुरू करने की है। वह दूरदराज के क्षेत्रों, तीसरी से पांचवी श्रेणी के शहरों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का विस्तार करना चाहती है।

भारतीय-अमेरिकी मंच ने भारतीय मिशन एवं संस्थानों पर तोड-फोड की बढती घटनाओं की निंदा की

एजेंसी, वाशिंगटन। वाशिंगटन कम से कम 44 भारतीय अमेरिकी संगठनों ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को, ब्रिटेन के लंदन और ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्थित भारतीय राजनयिक मिशन पर हुए हालिया हमलों और विभिन्न भारतीय संस्थानों में तोड-फोड की घटनाओं की निंदा करते हुए कहा कि इन मामलों के कारण समुदाय डरा हुआ और सकते में हैं। ''इंडियन डायस्पोरा अगेंस्ट हेट'' के बैनर तले देश भर के विविध सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक पृष्ठभूमि के कई प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकियों और संगठनों ने एक हस्ताक्षरित पत्र जारी कर हिंसक हमलों की निंदा की। इस पत्र में उन्होंने नगर निकाय अधिकारियों और कानून प्रवर्तन अधिकारियों से भारतीय-अमेरिकी समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम

उठाने का आग्रह किया। खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने पिछले महीने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला कर उसे नुकसान पहुंचाया था। इस हमले की भारतीय-अमेरिकियों ने कडघे निंदा की है। कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह के समर्थन में खालिस्तान समर्थक झंडे और बैनर लेकर प्रदर्शनकारियों का एक समूह पिछले महीने लंदन के 'पार्लियामेंट स्क्वायर' पर एकत्र हुआ था। विभिन्न शहरों एवं भौगोलिक स्थानों के भारतीय-अमेरिकियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों और समुदाय के सदस्यों ने नागरिकों से घृणा फै लाने वाले समूहों के प्रति सतर्क रहने और उनके बारे में प्रशासन को सूचित करने का आग्रह किया। उन्होंने अमेरिकी गृह मंत्रालय और विधि मंत्रालय से चरमपंथियों की गतिविधियों पर नजर रखने, घृणित हमलों को रोकने और घृणा फैलाने वाले अपराधियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। हृदय रोग विशेषज्ञ और समुदाय के नेता डॉ. रोमेश जापरा ने कहा, ''हिंदू समुदाय के कई नेताओं को धमकी दी गई है और उन्होंने हाल में मेरे आवास पर हमला भी किया।''सामाजिक कार्यकर्ता मधु एच ने कहा, ''खालिस्तानी कट्टरपंथियों का हिंसा का एक पुराना और दुखद इतिहास रहा है । वे 1985 में 'एअर इंडिया' के विमान में बम विस्फोट की घटना के लिए जिम्मेदार थे, जिसमें 300 लोगों की मौत हो गई थी।'' पत्र में सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले की निंदा करने के संबंध में अमेरिकी विदेश मंत्रालय और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बयानों का स्वागत किया गया है।

घर बैठे प्रदान कर रहे बैंकिंग व जनकल्याणकारी सेवाये : पीएमजी

संवाददाता, लखनऊ। वित्तीय सशक्तिकरण और अंत्योदय में डाक विभाग अहम भूमिका निभा रहा है। डिजिटल युग में नवीनतम टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से डाक विभाग तमाम बैंकिंग सेवाएँ और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ घर बैठे ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचा रहा है। यह उदगार पीएमजी वाराणसी कृष्ण कुमार यादव ने वाराणसी प्रधान डाकघर में इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा आयोजित उत्कृष्ट डाककर्मियों के सम्मान समारोह में व्यक्त किये और सीईएलसी प्रतियोगिता के विजेता ग्रामीण डाक सेवकों को रेफ्रिजरेटर और लैपटॉप देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर वाराणसी के 11 और चंदौली जनपद के 06 कर्मचारी सम्मानित हुए। पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाकिया और ग्रामीण डाक सेवक चलते-फिरते बैंक बन गए हैं। किसानों और विभिन्न लाभार्थियों के बैंक खातों में आने वाली डीबीटी राशि की निकासी के लिए अब किसी को भी बैंक या एटीएम जाने की जरूरत नहीं, बल्कि घर बैठे ही अपने आधार लिंक्ड बैंक खाते से डाकिया के माध्यम से निकासी कर सकते हैं। घर बैठे डाकिया के माध्यम से ही आधार में मोबाइल नम्बर अपडेशन और 5 साल तक के बच्चों का आधार इनरोलमेंट कराया जा सकता है।

ई-श्रम, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, वाहनों का बीमा, स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, पेंशनर्स जीवित प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जैसी तमाम सेवाओं का लाभ भी डाकिया के माध्यम से घर बैठे लिया जा सकता है। वाराणसी परिक्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2022-23 में इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के कुल 1.20 लाख खाते खोले गए, जिनमें 50 हजार प्रीमियम खाते खुले। आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम के माध्यम से 3.37 लाख लोगों को घर बैठे 132 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया। आईपीपीबी के द्वारा घर बैठे 4.60 लाख व्यक्तियों का आधार नामांकन और अपडेशन किया गया। जनरल इंश्योरेंस के तहत 22.25 लाख रूपये का प्रीमियम अर्जित किया गया। वाराणसी जनपद के अंतर्गत ब्रांच पोस्टमास्टर लमही अवलेश, ब्रांच पोस्टमास्टर तपोवन आश्रम श्यामलाल, ब्रांच पोस्टमास्टर कोनिया सीताराम, ब्रांच पोस्टमास्टर कुरु वैभव, ब्रांच पोस्टमास्टर खोचवा संतोष कुमार, ब्रांच पोस्टमास्टर शिवरामपुर शिवपूजन, ब्रांच पोस्टमास्टर कनकपुर निशांत, ब्रांच पोस्टमास्टर पुरी कलां सुशीला देवी, पोस्टमैन शिवपुर कमल, ब्रांच पोस्टमास्टर शहंशाहपुर दीपू कुमार शर्मा, पोस्टमैन वाराणसी कैंट प्रधान डाकघर रविन्द्र कुमार सम्मानित हुए।

भारत में होने वाले एससीओ सम्मेलन में हिस्सा लेंगे पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने घोषणा की कि विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने भारत में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बलूच ने कहा, बिलावल भुट्टो जरदारी भारत के गोवा में 4-5 मई, 2023 को होने वाली एससीओ विदेश मंत्री परिषद (सीएफएम) की बैठक में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इसके साथ ही हफ्तों से चली आ रही इन अटकलों पर विराम लग गया कि भुट्टो व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में हिस्सा लेंगे या नहीं। उन्होंने कहा, बैठक में हमारी भागीदारी एससीओ चार्टर और प्रक्रियाओं के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता और पाकिस्तान की विदेश नीति की प्राथमिकताओं में क्षेत्र को दिए जाने वाले महत्व को दर्शाती है। यह हाल के वर्षों में किसी भी पाकिस्तानी नेता का भारत का पहला उच्चस्तरीय दौरा होगा। इससे दोनों देशों के संबंधों में आई कडवाहट के कम होने की उम्मीद है। फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत के लडाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट कर दिया था, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। अगस्त 2019 में भारत ने जम्मू- कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लेकर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था, जिसके बाद दोनों देशों के संबंधों में और कडवाहट पैदा हो गई। भारत कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पडोसी की तरह संबंध रखना चाहता है। हालांकि दूसरी ओर वह इस बात पर जोर देता है कि ऐसे संबंध कायम करने के लिए आतंकवाद और तनावमुक्त माहौल बनाना पाकिस्तान की जिम्मेदारी है। पाकिस्तान की तत्कालीन विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने 2011 में भारत का दौरा किया था। मई 2014 में, पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत आए थे। दिसंबर 2015 में, तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने पाकिस्तान का दौरा किया था और कुछ दिन बाद मोदी थोडी देर के लिए पाकिस्तान में रुके थे। एससीओ की स्थापना 2001 में शंघाई में हुए रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों के शिखर सम्मेलन में की गई थी। बाद के वर्षों में यह सबसे बडे क्षेत्रीय संगठनों में से एक बनकर उभरा।

इस फेमस टीवी स्टार ने लगाया रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी में एंट्री का मुहर

छोटे परदे का फे मस रियलिटी शो खतरों के खिलाडी एक बार फिर से लोगों को डर के साये में लाने के लिए पूरी तरह से तैयार हो गया हैं। दरसअल रोहित शेट्टी स्टारर यह शो जल्द ही एक बार फिर अपने अजीबो-गरीब कारनामे लेकर दर्शकों के सामने हाजिर होने वाला हैं। लेकिन शो के टेलीकास्ट होने से पहले शो में आने वाले कंटेस्टेंट को लेकर ढेरों बातें बननी लगती हैं। ऐस में अब टीवी के एक फे मस एक्टर को लेकर काफी ज्यादा बातें बनती हुई दिखाई दे रही हैं। जिस पर खुद अब एक्टर ने अपनी चुप्पी तोड़ दी हैं।

दरअसल यह एक्टर कोई और नहीं बल्कि टीवी के फे मस स्टार और एक हजारो में मेरी बहना है से अपनी पहचान बनाने वाले एक्टर करण टैंकर है। दरअसल कुछ समय से यह बात काफी चल रही थी करण टैकर की खतरों के खिलाडी के निर्माताओं से शो में एंट्री को लेकर बात-चित चल रही हैं। ऐसे में अब क्या कुछ बात हुई है इस बारे में खुद करण खुलासा करते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट ने इस बात का दावा किया है की-करण को केकेके 13 के लिए संपर्क किया गया है. अगर निर्माताओं और अभिनेता के बीच चीजें ठीक हो जाती हैं, तो उन्हें शो में देखा जा सकता है. हालांकि, करण ने रोहित शेट्टी के शो का हिस्सा होने से इनकार किया है। उन्होंने अपनी आईजी की स्टोरी पर लिखा। सिर्फ रिकॉर्ड के लिए. नहीं, मैं कोई रियलिटी शो नहीं कर रहा हूं, हालांकि, कुछ दिनों पहले करण ने एक मीडिया ग्रुप को बताया था की, खतरों के खिलाड़ी का हिस्सा बनना एक साहसिक कार्य है। यह केवल अपने डर का सामना करने के बारे में नहीं है, बल्कि अपनी आंतरिक शक्ति और फ्लेक्सिबिलिटी के बारे में भी है। वही इस शो में शामिल होना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मैंने अपने करियर में कई डर को दूर किया है। मैं एक्शन गुरु रोहित शेट्टी के मार्गदर्शन में शो में खतरों की सीरीज का सामना करने को लेकर काफी एक्साइटेड हूं।

›› बॉलीवुड ‹‹

अजय देवगन-काजोल की दुलारी न्यासा ने मनाया आपना 20वा जन्मदिन, बेटी के लिए इमोशनल पोस्ट शेयर करते दिखे कपल

इस खास मौके पर उनके मम्मी-पापा यानी इस कपल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर एक बेहद ही प्यारी सी पोस्ट के साथ विश किया हैं। जहां अजय ने उन्हें अपनी शान बताया, तो वहीं उनकी माँ काजोल ने कहा कि उनकी बेबी गर्ल अब बड़ी हो गई है। अभिनेताओं का एक 12 साल का बेटा युग भी है। काजोल ने इस महीने की शुरुआत में एनएमएसीसी लॉन्च से एक साथ उनकी एक स्पष्ट तस्वीर साझा की और लिखा, यह हम और हमारी कहानी हमेशा है। आपके सेंस ऑफ ह्यूमर और आपके दिमाग को प्यार करें और आपका ओह सो वेरी स्वीट हार्ट.. लव यू टू बिट्स बेबी गर्ल और आप हमेशा मुस्कुराएं और हमेशा मेरे साथ हंसें! बेटीरॉक माय बेबी गर्ल हैप्पी 20वां ऑलग्रोनअपनाउ। इन शेयर की गई तस्वीरों में काजोल को हंसते हुए दिखाया गया है, जबकि न्यासा अपने फोटोशूट के दौरान उन्हें देखकर मुस्कुराती हैं। काजोल हाथीदांत की शेरवानी में नजर आ रही हैं, जबकि न्यासा एक केप के साथ सिल्वर गाउन में हैं। अजय ने न्यासा के साथ चार स्पष्ट तस्वीरों का एक कोलाज साझा किया। वे तस्वीरों में मुस्कुराते, पोज देते और एक-दूसरे को देखते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में बाप-बेटी की जोड़ी ब्लैक कलर में ट्विनिंग करती नजर आ रही है। सिंगापुर के ग्लिओन इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन में स्कूल खत्म करने के बाद न्यासा स्विट्जरलैंड में अपनी उच्च शिक्षा के लिए चली गईं। वह कुछ महीने पहले ही घर लौटी है और नियमित रूप से अपने दोस्तों के साथ पार्टियों में देखी जाती रही है। उसने हाल ही में अपने दोस्तों के साथ जैसलमेर के लिए उड़ान भरी, जिसमें ओरहान अवात्रामणि भी शामिल थी। काजोल से हाल ही में सोशल मीडिया पर न्यासा को मिलने वाली अटेंशन के बारे में पूछा गया था। उसने कहा, बेशक, मुझे उस पर गर्व महसूस होता है। मुझे इस बात से प्यार है कि न्यासा जहां भी जाती हैं, गरिमा के साथ पेश आती हैं। मैं बस इतना कह सकती हूं कि वह 19 साल की है और मजे कर रही है। उसे वह करने का अधिकार है जो वह करना चाहती है और मैं हमेशा उसका समर्थन करूंगी। न्यासा ने हाल ही में कुछ फोटोग्राफरों को सही किया जिन्होंने एक पार्टी के बाद अपनी कार में बैठते समय उनके नाम का गलत उच्चारण किया था। उसने उन्हें हिंदी में बताया, मेरा नाम न्यासा (निसा के रूप में बोली जाने वाली) है (मेरा नाम न्यासा है)।

प्रियंका चोपड़ा ने भारतीय अखबारों की आलोचना करते हुए कही ये बड़ी बात, बोली-में तो नहीं रोक सकती

हॉलीवुड और बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड के बारे में अपने खुलासे से पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। जबकि कई लोगों का मानना घ्ख्था कि उन्होंने हॉलीवुड की ओर अपना रास्ता बनाया, उद्योग में गंदी राजनीति ने उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया। शाहरुख खान, अक्षय कुमार और शाहिद कपूर जैसे अभिनेताओं के साथ उनके कथित संबंधों के बारे में कई अफवाहें रही हैं। विवरण के लिए नीचे स्क्रॉल करें क्योंकि वह ऐसी सभी रिपोर्टों पर अपनी चुप्पी तोड़ती है। हाल ही में कंगना रनौत ने भी दावा किया था कि करण जौहर को पीसी की शाहरुख खान से निकटता पर आपत्ति है। ऐसी खबरें आई हैं कि दोनों एक सीक्रेट अफे यर में थे और शाहरुख ने अतीत में अपनी चुप्पी भी तोड़ी थी और इस तरह के दावों को खारिज कर दिया था। अंगूरलता द्वारा ऐसी कई अन्य रिपोर्टों ने अतीत में चोपड़ा को परेशान किया, लेकिन उन्होंने गरिमापूर्ण चुप्पी बनाए रखी। प्रियंका चोपड़ा से पूछा गया कि वह फिल्म साथी की फ्रंट से बातचीत में टिप्पणियों और धमकाने से कैसे निपटती हैं। इस पर, अभिनेत्री ने जवाब दिया, मैं अपने करियर की शुरुआत में ही शोहरत के प्रतिफल के साथ शर्तों पर आ गई थी। जब मैं पहली बार उद्योग में शामिल हुई तो मुझे जल्दी ही एहसास हुआ कि महिलाएं विशेष रूप से, लेकिन आम तौर पर, अभिनेताओं के बारे में अधिक लिखा जाता है- और यह एक मीडिया चीज की तरह है। लोग अपनी उपलब्धियों के अलावा हर चीज के बारे में लिखना पसंद करते हैं। मीडिया इस बारे में लिखना पसंद करता है कि वे एक मंच पर कैसे गिर गए, कैसे वे एक शब्द, या किसी भी चीज पर गिर गए ... विशेष रूप से महिलाओं के लिए, उस समय यह लिखा गया था कि उसका प्रेमी कौन है, वह किसे देख रही है। तो आपकी कोई पहचान नहीं थी, यह मेरे करियर की शुरुआत में ही हुआ था। इसलिए मैंने अपनी निजी जिंदगी को बेहद निजी रखने का फैसला लिया। मैं इसके बारे में क्रूरता से निजी थी। मैंने इसके बारे में कभी बात नहीं की और यह ऐसी चीज है जिसका अब भी मैं पालन करती हूं। साथ ही प्रियंका चोपड़ा ने यह भी कहा कि वह इस तरह की खबरों के बारे में मुश्किल से ही कुछ कर सकती हैं और अपने करियर की शुरुआत में ही इससे शांति बना ली थी। मैं एक सार्वजनिक व्यक्ति हूं जिसका अर्थ है कि मेरा अधिकांश जीवन उपभोग के लिए है। आप मेरे बारे में बात कर सकते हैं मैं आपको रोक नहीं सकता। आप अपने दादा-दादी के साथ बैठकर रोटी खा सकते हैं और कह सकते हैं अच्छे हमें तो ये पेहना था। हमने तो किया था। उसका तो ये हुआ था। मैं तो नहीं रोक सकती। इसलिए मुझे इस तथ्य के साथ शांति बनानी होगी कि ऐसा होने जा रहा है और मैंने इसे बहुत पहले ही कर दिया था। जिन लोगों पर मुझे भरोसा है।

›› बॉलीवुड ‹‹

शहनाज गिल के बाद बिग बॉस के इस एक्स कंटेस्टेंट को मिलेगा सलमान खान की मूवी में ब्रेक

बॉलीवुड के दबंग सलमान खान के लिए आज का दिन काफी बड़ा है। उनकी फिल्म किसी का भाई किसी की जान सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म के साथ ही बिग बॉस फे म एक्ट्रेस शहनाज गिल का बॉलीवुड डेब्यू हुआ है। आपको बता दें, सलमान खान बॉलीवुड में नए चेहरों को लॉन्च करने के लिए काफी मशहूर हैं। उन्होंने अब तक कई न्यू कमर्स और स्टारकिड्स को अपनी फिल्मों में बड़ा ब्रेक दिया है। वहीं, अब इस लिस्ट में एक नया नाम शामिल होने की खबर सामने आ रही है। कैटरीना कैफ, सोनाक्षी सिन्हा, डेजी शाह, स्नेहा उल्लाल, जरीन खान, सूरज पंचोली और अब शहनाज गिल और पलक तिवारी को लॉन्च करने के बाद अब रिपोर्ट्स की मानें तो वो अपनी फिल्म में एक मशहूर टीवी एक्टर को मौका देने वाले हैं। अब रिपोर्ट्स की मानें तो जिसके लिए सलमान मदद का हाथ आगे बढ़ाएंगे वो शख्स कोई और नहीं बल्कि खतरों के खिलाड़ी और बिग बॉस के पॉपुलर कंटेस्टेंट प्रतीक सहजपाल हैं। दरअसल, अब ऐसी खबरे उड़ रही हैं कि खतरों के खिलाड़ी 12 और बिग बॉस 15 में नजर आ चुके प्रतीक सहजपाल सलमान खान की अगली फिल्म में नजर आ सकते हैं। इतना ही नहीं ये भी कहा जा रहा है कि भाईजान की फिल्म में प्रतीक का रोल काफी अच्छा होने वाला है। हालांकि, प्रतीक सहजपाल या फिर सलमान खान ने अभी इस खबर को कन्फर्म नहीं किया है। ऐसे इन दावों में कितनी सच्चाई है अभी इसपर कुछ भी नहीं कहा जा सकता। लेकिन अगर ऐसा होता है तो एक्टर के करियर को पंख लग जाएंगे। वैसे, प्रतीक सहजपाल के करियर की बात करें तो उन्होंने रियलिटी शो स्प्लिट्सविला से अपनी टीवी जर्नी की शुरुआत की थी। इसके बाद वो लव स्कूल में नजर आए। फिर उन्हें बिग बॉस ब्ज् और फिर बिग बॉस सीजन 15 में आने का मौका मिला। सलमान के इस रियलिटी शो के बाद एक्टर रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 12 में नजर आए। आखिरी बार उन्हें एकता कपूर के शो नागिन सीजन 6 में काम करते देखा गया था।

स्टार एक्सप्रेस स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक नरेन्द्र कुमार द्वारा सांई ऑफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन, कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं एमजी-18, सेक्टर-सी, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक: नरेन्द्र कुमार । (पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. No.- UPHIN/2008/24076 Email Id : starexpressnews@gmail.com